अमित शाह की ममता बनर्जी को.. 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मनोज बाजपेई ने पर्सनालिटी राइट्स... 11

वर्ष - 01, अंक - 360 | गाजियाबाद / शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सिंधिया ने सहारनपुर पीटीसी की प्लेटिनम जुबली पर स्मारक डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सहारनपुर के पोस्टल ट्रेनिंग सेंटर (पीटीसी) की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी किया। सिंधिया ने यहां आकाशवाणी भवन स्थित रंग भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पोस्टल ट्रेनिंग सेंटर केवल एक संस्थान नहीं बल्कि सेवा की जीवित विरासत है। उन्होंने कहा कि 75 वर्षों की यह यात्रा राष्ट्र निर्माण में डाक प्रशिक्षण केंद्र के सतत योगदान को दशार्ती है।भविष्य की दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि भारत 2030 तक न केवल देश बल्कि विश्व के लिए भी लॉजिस्टिक्स महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। इसमें डाक विभाग और उसके कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर डाक सेवा महानिदेशक जितेंद्र गुप्ता, सदस्य (वित्त) डीसीसी मनीष सिन्हा, सीजीसीए वंदना गुप्ता और सदस्य (एचआरडी) कर्नल एस. एफएच रिजवी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

21वीं सदी में तेजी से बदल रही हैं वैश्विक व्यवस्थाएं: मोदी

'विकसित भारत' के लक्ष्य के लिए पब्लिक सर्विस का निरंतर अपडेट जरूरी: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' के अवसर पर कहा कि तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाने के लिए देश की पब्लिक सर्विस को लगातार अपडेट करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम, संवेदनशील और आधुनिक प्रशासनिक तंत्र की अहम भूमिका होगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को समयानुकूल बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी साधना सप्ताह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो सरकारी कर्मचारियों की क्षमता और

कार्यशैली को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शासन व्यवस्था का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, जिसका अर्थ है कि नागरिक सर्वोपरि हैं। इस सोच के साथ सरकार सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सक्षम और नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने पर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत एक आकांक्षी समाज है, जहां हर नागरिक के अपने सपने और लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' और 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' में लगातार सुधार हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कुछ नया सीखने की आदत विकसित करें और खुद को एक सच्चे 'कर्मयोगी' के रूप में ढालें। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने और आत्म-विकास से ही प्रशासनिक तंत्र मजबूत होगा और बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

अब समय 'कर्तव्य भावना' को प्राथमिकता देने का है: पीएम

प्रशासनिक सुधारों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर ज्यादा जोर दिया जाता था, लेकिन अब समय 'कर्तव्य भावना' को प्राथमिकता देने का है। उन्होंने कहा कि हर निर्णय लेने से पहले यदि अधिकारी अपने कर्तव्य के बारे में सोचेंगे, तो उसके परिणाम स्वत: ही अधिक प्रभावी होंगे और समाज पर सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर निर्णय को भविष्य के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य सामने रखते हुए उन्होंने कहा कि आज लिए गए निर्णय देश की विकास यात्रा को नई दिशा देंगे। एक व्यक्ति का आत्म-परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।

अपने कार्य को सेवा के रूप में देखें और उसी भावना के साथ करें कार्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के परिवर्तन के लिए अपार ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो केवल सेवा भाव से ही प्राप्त होती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्य को सेवा के रूप में देखें और उसी भावना के साथ कार्य करें। तकनीक और डेटा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में शासन और प्रशासन में तकनीक का व्यापक उपयोग हुआ है, जिससे सेवा वितरण में सुधार आया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगमन से यह बदलाव और तेज होने वाला है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाएगी समझ

उन्होंने कहा कि भविष्य का सफल प्रशासक वही होगा, जिसे तकनीक और डेटा की अच्छी समझ होगी। यह समझ निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाएगी। उन्होंने इस दिशा में क्षमता निर्माण और निरंतर प्रशिक्षण पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि कर्मयोगी साधना सप्ताह में इस विषय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संघीय ढांचे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सफलता राज्यों की सामूहिक सफलता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि अब अग्रणी, पिछड़े या बीमारू राज्यों जैसी पुरानी श्रेणियों से आगे बढ़ते हुए सभी राज्यों के बीच अंतर को खत्म करने की दिशा में काम करना होगा।

'विकसित भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा कर्मयोगी साधना सप्ताह

प्रधानमंत्री ने कहा कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी कार्यालय ही पूरे शासन का चेहरा होता है। ऐसे में अधिकारियों का व्यवहार और कार्यशैली ही लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को मजबूत या कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर काम करते हुए इस विश्वास को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि कर्मयोगी साधना सप्ताह 'विकसित भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय साबित होगा।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच बड़ी राहत

केन्द्र सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को किया ड्यूटी फ्री

- 30 जून तक 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर नहीं लगेगी कस्टम ड्यूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पेट्रोकेमिकल उत्पादों का मुख्य रॉ मटेरियल के रूप में इस्तेमाल करने वाले उद्योगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादन से अगले तीन महीने तक के लिए पूरी तरह से कस्टम ड्यूटी हटाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य कच्चे माल की कीमत में होने वाली बेतहाशा वृद्धि से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुरक्षित रखना है। अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले से फार्मास्यूटिकल, ऑटो कॉम्पोनेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, पैकेजिंग और केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम कर रहे उद्योगों को काफी फायदा होगा। कस्टम ड्यूटी हटाने से इन उद्योगों की उत्पादन लागत में गिरावट आएगी और आम आदमी को महंगाई के बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगा। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल रॉ मटेरियल के रूप में एसिटिक एसिड, एपॉक्सी रेजिन, प्यूरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड, मेथेनॉल, फिनोल, टॉल्यून, एनहाइड्रस अमोनिया, एथिलीन पॉलीमर्स और कई तरह के फॉर्मल्डिहाहड पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी को 30 जून तक के लिए पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान की जंग से लगा झटका

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इन अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों के इंपोर्ट से कस्टम ड्यूटी हटाने का फैसला ऐसे समय में लिया है, जब पश्चिमी एशिया में जियो-पॉलिटिकल टेंशन चरम पर पहुंचा हुआ है। इस टेंशन का असर दुनिया भर में अहम पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच चल रही लड़ाई के चलते वैश्विक सप्लाई चेन को भी झटका लगा है, जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत में भी तेजी आने लगी है। ऐसे में कस्टम ड्यूटी हटा कर केंद्र सरकार भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना चाहती है।

वैल्यू चेन में कीमतों में बढ़ोतरी को रोकना का उद्देश्य

इस संबंध में बताया गया है कि कस्टम ड्यूटी में इस छूट का उद्देश्य सप्लाई को बनाए रखने और वैल्यू चेन में कीमतों में बढ़ोतरी को रोकना है। इस कदम से केंद्र सरकार को यह उम्मीद भी है कि एंड कंज्यूमर्स के लिए कीमतों में स्थिरता आएगी, क्योंकि कच्चे माल की लागत में कमी से कंपनियों को उपभोक्ताओं पर बढ़ी हुई कीमतें का दबाव नहीं डालना पड़ेगा।

पश्चिमी यूपी का कुख्यात अपराधी मोंटी मुरादाबाद में ढेर

- मुरादाबाद के एक प्रतिष्ठित निर्यातक से मांगी थी 5 करोड़ रुपये की रंगदारी
- उधम सिंह गैंग का शूटर था मुठभेड़ मारा गया आशु चड्ढा उर्फ मोंटी, 50 हजार का था इनामी

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और मुरादाबाद पुलिस ने बुधवार देर रात्रि संयुक्त ऑपरेशन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का कुख्यात अपराधी उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर 50 हजार का इनामी आशु चड्ढा उर्फ मोंटी को थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में मुठभेड़ में मार गिराया। मृतक शूटर मोंटी ने महानगर के एक निर्यातक से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि जनपद हापुड़ के मीरपुर कला निवासी आशु चड्ढा उर्फ मोंटी पश्चिमी उत्तर प्रदेश का कुख्यात अपराधी था। हाल ही में उसने मुरादाबाद के एक प्रतिष्ठित निर्यातक वजीर चंद्र एक्सपोर्ट के संचालक सिवल लाइंस क्षेत्र निवासी अरशू ढल से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी और उन पर जानलेवा हमला भी किया था। एसटीएफ मेरठ फील्ड यूनिट और मुरादाबाद पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। बुधवार देर रात को एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में पोस्टमार्टम हाउस के पास घेराबंदी की। खुद को घिरता देख मोंटी ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके से एक स्विफ्ट कार, .32 बोर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मेड पिस्टल, .32 बोर की रिवॉल्वर और 12 बोर की बंदूक बरामद की है। इसके अलावा बड़ी संख्या में खोखा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुए। उसके खिलाफ गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर और मुरादाबाद में कुल 36 संगीन मुकदमे दर्ज थे।

राघव चड्ढा राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए, अशोक मित्तल को मौका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को राज्यसभा में राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता चुना है। पार्टी की तरफ से राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से अशोक मित्तल को पार्टी का उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध करते हुए कहा गया है कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी के कोटे से बोलने का समय आवंटित न किया जाए। अशोक मित्तल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें राज्यसभा में उपनेता की जिम्मेदारी सौंपी है।

राहुल गांधी ने उठाया सीएपीएफ में पदोन्नति का मुद्दा, बोले

नेतृत्व कर्ताओं को बाहर से लाना गलत

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में जवानों की पदोन्नति का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि इन बलों में शीर्ष पद केवल आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं और यह नीति उन जवानों का मनोबल तोड़ रही है जो देश की पहली रक्षा पंक्ति हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पर साझा किए वीडियो पोस्ट में असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक का उदाहरण दिया, जिन्होंने नक्सली मुठभेड़ में आईईडी विस्फोट के दौरान अपना एक पैर खो दिया। उन्होंने कहा कि

15 वर्षों से अधिक सेवा के बावजूद मलिक को प्रमोशन नहीं मिला और अपनी ही फोर्स का नेतृत्व करने का अधिकार नहीं दिया गया। यह केवल एक अफसर की पीड़ा नहीं बल्कि लाखों जवानों का दर्द है, जो सीमाओं पर तैनात रहते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लड़ते हैं और चुनावों को सुरक्षित बनाते हैं।

उन्होंने लिखा कि सरकार सर्वोच्च न्यायालय के सवालों और आपत्तियों के बावजूद इस व्यवस्था को स्थायी बनाने पर आमादा है। यह विधेयक केवल करियर रोकने का प्रयास नहीं बल्कि उन लोगों का मनोबल तोड़ने की कोशिश है जो देश की सुरक्षा में सबसे आगे खड़े हैं। जब हमारे सैनिकों का मनोबल टूटता है तो राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हिलती है।

राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ जैसे बलों की अपनी-अपनी विशेषज्ञता है और इन्हीं अफसरों को नेतृत्व मिलना चाहिए।

गौतम अडाणी ने परिजनों के संग श्रीरामलला के किए दर्शन

एजेंसी

अयोध्या। देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में परिवार के साथ श्रीरामलला के दर्शन पूजन किया। अडाणी ने निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित भी किया और गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे में जाना समझा। अडाणी ने गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय, ट्रस्ट सदस्य डॉ अनिल मिश्र, विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह पंकज, गोपाल नागरकट्टे आदि ने उनका स्वागत किया गया।

गुरुकुल संस्कृति संरक्षित करने में करेंगे हरसंभव सहयोग

अडाणी ने अयोध्या के निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय में छात्रों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे जाना। उन्होंने गुरुकुल के विद्यार्थियों के साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कति को जागत रखने का काम कर रहा है। गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कृति को जागृत रखने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी फाउंडेशन के इस दौर में इस गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हरसंभव सहयोग देगा।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में लक्ष्य से अधिक लोन वितरित कर जौनपुर सबसे आगे

पौने चार लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

- पिछले एक साल प्रदेश भर के एक लाख 45 हजार से अधिक युवाओं को वितरित किया गया लोन

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश भर में पौने चार लाख से अधिक आवेदन आए, जबकि योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए 1.5 लाख ऋण वितरण का लक्ष्य रखा था। आंकड़ों से साफ है कि सीएम युवा योजना युवाओं को

आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है, जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ व तीसरे स्थान पर हरदोई है।

इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख लक्ष्य के सापेक्ष पूरे प्रदेश से तीन लाख 86 हजार 092 युवाओं ने ऋण के लिए आवेदन किया। इनमें तीन लाख 30 हजार 441 आवेदनों को बैंक को अग्रसारित किया गया। एक लाख 45 हजार 454 आवेदनों को बैंक ने लोन देने पर स्वीकृति दी। अब तक एक लाख 38 हजार 304 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। सीएम युवा योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

झांसी, लखीमपुर-खीरी, अंबेडकरनगर, बहराइच, चित्रकूट और बलिया का भी अच्छा प्रदर्शन

हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला कर सीएम युवा योजना का लाभ दिया जा रहा है। हर माह बैंकों के साथ बैठक की जा रही है, ताकि आवेदकों की किसी भी समस्या को तत्काल दुरुस्त किया जा सके। यही वजह है कि पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में हरदोई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हरदोई को वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो हजार 900 ऋण वितरण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 11 हजार 977 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से नौ हजार 701 आवेदनों को बैंक भेजा गया, जिसमें तीन हजार 226 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा झांसी ने चौथा और लखीमपुर खीरी ने प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। योजना का लाभ देने में अंबेडकर नगर, बहराइच, चित्रकूट और बलिया का भी प्रदर्शन अच्छा रहा है।

आजमगढ़ में ब्लॉक स्तर पर वर्कशाप का आयोजन कर युवाओं को दिया जा रहा योजना का लाभ

आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को सीएम युवा योजना का लाभ देने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। योजना का लाभ देने में अप्रैल 2025 से पहले आजमगढ़ जिला 25वें स्थान पर था। अप्रैल के बाद योजना का लाभ हर जरूरतमंद युवा तक पहुंचाने के लिए ब्लॉक स्तर पर लगातार वर्कशाप आयोजित की जा रही है। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बैंकर्स और आवेदकों को आमने-सामने बैठाकर काउंसिलिंग करायी जा रही है। यही वजह है कि पिछले कई माह से आजमगढ़ योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में आजमगढ़ को योजना के तहत दो हजार 700 ऋण वितरण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष आठ हजार 871 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें सात हजार 751 आवेदनों को बैंक भेजा गया, जिसमें चार हजार 049 को ऋण वितरित किया जा चुका है। इस तरह लक्ष्य की तुलना में 149.96 प्रतिशत सफलता हासिल कर आजमगढ़ पूरे राज्य में दूसरे स्थान पर रहा है।

टोडापुर ट्रैफिक मुख्यालय पहुंचे एलजी, 21 ट्रैफिक प्रहरियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सड़कों पर नियमों का पालन सुनिश्चित कराने में मदद करने वाले सर्वश्रेष्ठ 21 'ट्रैफिक प्रहरी' को बृहस्पतिवार को पुरस्कृत किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला यातायात पुलिस कर्मियों के लिए 38 'स्कूटी' के एक नए बेड़े व दो आपदा प्रतिक्रिया वाहनों को हरी झंडी दिखायी। यातायात पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, यातायात संबंधी नियमों के उल्लंघन की 'ट्रैफिक प्रहरी' ऐप के माध्यम से सूचना देने वाले 21 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। यातायात पुलिस की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं ज़ोन एक) विजंयता गोयल आर्य ने बताया कि पहला पुरस्कार 50 हजार रुपये, दूसरा 25 हजार रुपये, तीसरा 15 हजार रुपये और चौथा पुरस्कार 10 हजार रुपये था। उन्हें मार्च 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के लिए पुरस्कृत किया गया है। इसके अलावा उपराज्यपाल ने महिला यातायात पुलिस कर्मियों के लिए 38 'स्कूटी' के एक नए बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आर्य ने बताया कि इसका उद्देश्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित कदम उठाते हुए यातायात जाम को दूर करना और सड़कों पर प्रभावी उपस्थिति के माध्यम से विश्वास बढ़ाना है। अधिकारी के मुताबिक, इस पहल से महिला अधिकारियों को उनके दिन-प्रतिदिन की ड्यूटी में काफी सहायता मिलेगी, उनकी परिचालन क्षमताओं को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र में तैनाती के कार्यों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। सड़क संकट के प्रबंधन में यातायात कर्मियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए खरीदे गए दो आपदा प्रतिक्रिया वाहनों को भी संधू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बयान के अनुसार ये वाहन स्टील कटर, पेड़ कटर, वाटर पंप, जनरेटर जैसी क्षमताओं और उपकरणों से लैस हैं। इससे पहले उपराज्यपाल टोडापुर स्थित यातायात पुलिस मुख्यालय पहुंचे जहां पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा और यातायात प्रबंधन प्रभाग के विशेष आयुक्त नीरज ठाकुर ने उनका स्वागत किया। उपराज्यपाल को रस्मी ''गार्ड ऑफ ऑनर'' भी दिया गया। बयान के मुताबिक, संधू को यातायात इकाई के समग्र कामकाज के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसमें नियमन और चालान करने संबंधी पहलू शामिल हैं। उन्होंने यातायात मुख्यालय में प्रवर्तन इकाई और ''पब्लिक इंटरफेस यूनिट'' (पीआईयू) की भी समीक्षा की।

जज आपके साथ नरमी से पेश आते हैं, तो कमजोर न समझें : दिल्ली हाईकोर्ट

-बकाया भुगतान के मामले में बार-बार रुख बदलने पर हाई कोर्ट ने जताई राजपाल से नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव की अपील याचिका पर सभी पक्षों को सुनने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। वहीं, बकाया भुगतान के मामले पर बार-बार अपना रुख बदलने के लिए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने राजपाल से नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने कहा कि अगर जज आपके साथ नरमी से पेश आते हैं, तो यह कभी न सोचें कि जज कमजोर हैं। अदालत ने उक्त टिप्पणी तब की जब कोर्ट ने यादव द्वारा दिए गए बयानों और उनके वकील द्वारा दी गई दलीलों के बीच विरोधाभास देखा। अदालत ने कहा कि एक तरफ जहां राजपाल कह रहे हैं कि वे भुगतान करने को तैयार हैं, वहीं, उनके वकील कह रहे हैं कि चूंकि आप पहले ही जेल जा चुके हैं, इसलिए उनके मुवक्किल भुगतान नहीं करेंगे। पीठ ने इस पर कहा कि अगर राजपाल बकाया भुगतान करने को तैयार हैं तो अदालत इस मामले की सुनवाई क्यों कर रही है? राजपाल यादव की तरफ से छह करोड़ के भुगतान करने और और विवाद को सुलझाने के लिए 30 दिन का समय मांगा, लेकिन जज ने उन्हें यह समय देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि कोई समय नहीं दिया जाएगा और नहीं का मतलब नहीं होता है। इसके साथ ही पीठ ने याचिका पर निर्णय सुरक्षित रख लिया। मई 2024 में कड़कड़डूमा कोर्ट ने राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में दोषी ठहराया था और उन्हें छह महीने जेल की सजा सुनाई थी। उक्त निर्णय को राजपाल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी और हाई कोर्ट ने राजपाल के अधिवक्ता के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए सजा निलंबित कर दी थी। अधिवक्ता ने भरोसा दिलाया था कि बकाया भुगतान के संबंध में विवाद सुलझा लिया जाएगा। इस मामले को दिल्ली हाई कोर्ट मध्यस्थता केंद्र में भी भेजा गया था। हालांकि, अदालत ने फरवरी माह में रिकॉर्ड पर लिया कि बार-बार भरोसा दिलाने और समझौते के लिए कई बार सुनवाई टलवाने के बावजूद राजपाल ने वादा करने के बाद भी भुगतान नहीं किया। अदालत के पूर्व आदेश का अनुपालन नहीं करने पर हाई कोर्ट ने राजपाल को जेल भेज दिया था। हाई कोर्ट के आदेश पर पांच फरवरी को राजपाल को जेल जाना पड़ा था और 1.5 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करने पर अदालत ने राजपाल को अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया था।

शोभायात्रा के दौरान मस्जिद पर लहराया धार्मिक ध्वज

-वीडियो वायरल होने पर तुगलकाबाद में बढ़ा तनाव

-पुलिस ने हुड़दंगियों की पहचान की, कार्रवाई जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के तुगलकाबाद में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान कुछ हुड़दंगियों की हरकत से तनाव की स्थिति बन गई। आरोप है कि शोभायात्रा के दौरान कुछ युवक पास स्थित मस्जिद पर चढ़ गए और वहां धार्मिक ध्वज लहरा दिया। इस दौरान समुदाय विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया गया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगा, जिसके बाद क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में शामिल हुड़दंगियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। एहतियातन इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो के आधार पर भी मामले की जांच की जा रही है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों की मनमानी पर रोक, अब तय दुकान से खरीदारी की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों पर तय दुकानों से किताबें और यूनिफार्म खरीदने के दबाव पर सख्ती दिखाई है। नए निर्देशों के अनुसार अब कोई भी स्कूल छात्रों या अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या विक्रेता से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा। निदेशालय को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कई निजी स्कूल अभिभावकों को महंगे दामों पर निर्धारित दुकानों से सामान खरीदने के लिए मजबूर कर रहे थे। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किया गया है। नए नियमों के तहत सभी स्कूलों को कक्षा के अनुसार किताबों और यूनिफार्म की पूरी सूची स्कूल परिसर और अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करनी होगी। इसके साथ ही कम से कम पांच दुकानों या विक्रेताओं की जानकारी—नाम, पता और संपर्क विवरण—देना अनिवार्य होगा, ताकि अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी खरीदारी कर सकें। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्कूल यूनिफार्म के रंग या डिजाइन में कम से कम तीन वर्षों तक कोई बदलाव नहीं करेंगे। साथ ही अतिरिक्त किताबें या गाइड खरीदने के लिए दबाव बनाना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अभिभावकों की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9818154069 और ईमेल सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। शिक्षा निदेशक वेदिता रेड्डी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है और किसी भी प्रकार का शोषण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर हथियार संग वीडियो डालने वाले को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने इंस्टाग्राम पर हथियार लहराते हुए वीडियो डालने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि युवक वीडियो वायरल कर इलाके में दहशत फैलाना चाहता था। नेब सराय के जवाहर पार्क में रहने वाले आरोपी 26 वर्षीय धर्मवीर कामती उर्फ रावण के पास से देसी पिस्तौल बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस यहा पता लगा रही है कि पिस्तौल उसने किससे ली थी। पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि आरोपी को 29 मार्च की रात साकेत के पुष्प विहार सेक्टर-4 स्थित नाला रोड के पास से पकड़ा गया।

भू-जल स्तर बढ़ने से बोरवेल खोलने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 02 अप्रैल (वेब वार्ता)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) इलाके में भू-जल स्तर के गिरने से बोरवेल बंद किए गए थे, लेकिन अब बढ़ते भू-जल ने मुसीबत खड़ी कर दी है। हालात ऐसे हैं कि बढ़ते भू-जल इमारतों के बेसमेंट में घुस रहा है और सड़कों पर जलभराव का कारण बन रहा है। इससे निपटने के लिए केंद्रीय भू-जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने 55 बोरवेल को दोबारा खोलने की सिफारिश की है। इस संबंध में बोर्ड ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल की है। दरअसल, एनडीएमसी ने पहले बंद किए गए 124 बोरवेलों में से 57 को दोबारा खोलने के लिए एनजीटी से अनुमति मांगी थी, ताकि इनका इस्तेमाल पार्कों, सड़क किनारे हरियाली और बगीचों की सिंचाई में किया जा सके। इस पर केंद्रीय भूजल बोर्ड ने वैज्ञानिक अध्ययन के बाद अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें सीमित संख्या में बोरवेल खोलने को जरूरी बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ साल पहले इलाके में भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया था, जिसके चलते एनजीटी के निर्देश पर बोरवेल बंद कर दिए गए थे। लंबे समय तक पानी के दोहन पर रोक लगने के कारण अब स्थिति उलट गई है और भूजल स्तर तेजी से ऊपर आ गया है।

-कृत्रिम रिचार्ज संचरना बनाने की सलाह

बोर्ड ने अपने अध्ययन में भू-जल स्तर की लगातार निगरानी, पुराने रिकॉर्ड, वर्षा के आंकड़े और मिट्टी के परीक्षण को शामिल किया। इसके आधार पर सिफारिश की गई है कि 55 बोरवेलों को दोबारा खोला जा सकता है, लेकिन इनका उपयोग केवल पीने और घरेलू जरूरतों तक सीमित रखा जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि भू-जल निकासी पूरी तरह नियंत्रित होनी चाहिए और किसी भी स्थिति में जलस्तर को जमीन से 10 मीटर से नीचे नहीं जाने दिया जाएगा।

आबकारी नीतिः अदालत से केजरीवाल व अन्य को ईडी की याचिका पर जवाब देने का अंतिम अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य को अंतिम अवसर देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है, जिसमें निचली अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त करते समय एजेंसी के खिलाफ की गई 'अनावश्यक' टिप्पणियों को हटाने का अनुरोध किया गया है।

यह देखते हुए कि पिछली सुनवाई के दौरान समय लेने के बावजूद एक को छोड़कर किसी भी प्रतिवादी ने अपना जवाब दाखिल नहीं किया, न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा ने कहा कि अदालत इस मामले में 22 अप्रैल को दलीलें सुनेगी।

न्यायाधीश ने कहा, 'जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर दिया जाता है। ऐसा न करने पर जवाब दाखिल करने का अधिकार समाप्त हो जाएगा। अगली सुनवाई की तारीख पर दलीलें सुनी जाएंगी। मामले को 22 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।'

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि विनोद चौहान को छोड़कर अन्य प्रतिवादियों ने याचिका पर जवाब दाखिल नहीं किया है। इससे पहले 19 मार्च को अदालत ने केजरीवाल और अन्य प्रतिवादियों को ईडी की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए दो अप्रैल तक का समय दिया था।

ईडी के वकील ने उस समय कहा था कि जवाब दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि याचिका में चुनौती केवल निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा एजेंसी के खिलाफ की गई टिप्पणियों तक सीमित है, जिसका प्रतिवादियों की आरोप मुक्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

याचिका में ईडी ने कहा कि मूल रूप से सीबीआई द्वारा दर्ज आबकारी मामले में निचली अदालत की टिप्पणियां पूरी तरह गैर जरूरी थीं। याचिका में कहा गया है कि ईडी न तो उन कार्यवाहियों में पक्षकार थी और न ही उसका पक्ष सुने जाने का कोई अवसर दिया गया।

ईडी की याचिका में कहा गया है, 'यदि इस तरह की आधारहीन टिप्पणियों को बरकरार रहने दिया जाता है, तो इससे आम जनता के साथ-साथ याचिकाकर्ता (ईडी) को भी गंभीर व अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।'

उल्लेखनीय है कि निचली अदालत ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को आरोप मुक्त करते समय सीबीआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि उसका मामला न्यायिक जांच में पूरी तरह से विफल रहा और पूरी तरह से निराधार साबित हुआ।

दिल्ली सरकार सभी 13 जिलों में पशु क्रूरता की रोकथाम के लिए समितियां गठित करेगी : गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने पशु कल्याण पहल को मजबूत करने के लिए राजधानी के सभी 13 जिलों में पशु क्रूरता निवारण समितियों (एसपीसीए) का गठन करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय राजस्व जिलों के हालिया पुनर्गठन के बाद लिया गया है और इसका उद्देश्य जिला स्तर पर पशु संरक्षण कानूनों का अधिक प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है। संबंधित जिलाधिकारी (डीएम) के नेतृत्व में, एसपीसीए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत कार्य करेंगे और इसमें पशु कल्याण से जुड़े विशेषज्ञ और सदस्य शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नवगठित समितियां पशु क्रूरता के मामलों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करेंगी और जमीनी स्तर पर निगरानी और समन्वय को बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य स्तर पर गठित पशु कल्याण बोर्ड इस पूरी व्यवस्था का शीर्ष निकाय होगा और यह बोर्ड कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगा और जिला स्तर पर कार्यरत एसपीसीए को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जिससे उनकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही अलग से कार्यरत दिल्ली पशु क्रूरता निवारण समिति (डीएसपीसीए) को भंग कर दिया जाएगा। सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए गुप्ता ने कहा कि राज्य पशु कल्याण बोर्ड और जिला एसपीसीए के संयुक्त ढांचे से न केवल संस्थागत तंत्र मजबूत होंगे बल्कि राजधानी भर में पशु कल्याण परिणामों में ठोस सुधार भी होंगे। उन्होंने कहा, 'पशुओं की रक्षा करना एक संवेदनशील और जिम्मेदार समाज की निशानी है।卐 गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि ये कदम दिल्ली को एक अधिक मानवीय और जवाबदेह शहर बनाने में मदद करेंगे।

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत मार्च में 155 लापता लोगों को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मार्च महीने में 39 लापता बच्चों और 116 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाकर एक सराहनीय काम किया है। लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। स्थानीय पूछताछ ने इसमें अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और अपहृत व्यक्तियों की तस्वीरें ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर दिखाने जैसे प्रयास भी किए गए। लापता व्यक्तियों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और विक्रेताओं से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियानों के दौरान स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली गई। इसके अतिरिक्त, आसपास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी गहन जांच की गई। इन त्वरित और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस 1 मार्च से 31 मार्च के बीच 155 लापता व्यक्तियों (जिनमें 39 लापता बच्चे और 116 लापता वयस्क शामिल हैं) का पता लगाने में सफल रही। पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत इन व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाने में समर्पण और पेशेवर रवैया दिखाया। इस दौरान चलाए गए सफल ऑपरेशन्स वसंत विहार पुलिस ने तीन लापता महिलाओं को ढूंढ कर सुरक्षित उनके घर पहुंचाया, वहीं आरके पुरम पुलिस ने एक पुरुष और दो महिलाओं सहित तीन लोगों को बरामद किया। साउथ कैंपस में एक नाबालिग लड़की और एक महिला सुरक्षित मिलीं। वसंत कुंज नॉर्थ और साउथ की टीमों ने कुल 21 लोगों को ढूंढा, जिसमें 8 नाबालिग लड़कियां और पुरुष-महिला शामिल थे। कापसहेड़ा पुलिस ने 25 लोगों को, पालम गांव पुलिस ने 17 लोगों को, और सागरपुर पुलिस ने 19 व्यक्तियों को सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुँचाया। दिल्ली कैंट पुलिस ने पांच, सरोजिनी नगर ने पांच और एसजे एन्क्लेव ने 16 लापता व्यक्तियों को बरामद किया। किशनगढ़ पुलिस ने आठ लोगों को ढूंढा। इसके अलावा, एएचटीयू/एसडब्ल्यूडी ने 19 लापता नाबालिग बच्चों को बरामद किया और डीएमपीयू/एसडब्ल्यूडी ने तीन लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलवाया। ऑपरेशन मिलाप के तहत दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने 155 लापता लोगों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करके जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। टीम के मानवीय दृष्टिकोण, व्यवस्थित जांच और त्वरित कार्रवाई ने कई दुखी परिवारों को उम्मीद और राहत दी।

विश्व ऑटिज्म दिवसः डीयू में गूँजी 'विशेष' बच्चों की हुंकार; निगम पार्षदों ने दिया समान अधिकारों का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर आज सरमाउंट वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक विशाल 'ऑटिज्म जागरूकता रैली' का भव्य आयोजन किया गया। खालसा कॉलेज से शुरू हुई यह रैली विश्वविद्यालय की मुख्य सड़कों से होती हुई कुलपति कार्यालय पर संपन्न हुई। इस रैली के माध्यम से समाज और सरकार को ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों की प्रतिभा पहचानने और उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने का संदेश दिया गया।

रैली में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। निगम पार्षद वीणा असीजा और रेनू अग्रवाल ने रैली में शामिल होकर विश्वास दिलाया कि वे इन विशेष बच्चों की मांगों को अपनी पार्टी और सरकार के समक्ष मजबूती से रखेंगी। उन्होंने भरोसा दिया कि इन बच्चों को समाज में समान अधिकार, बेहतर शिक्षा और हर आवश्यक सुविधा मिले, इसके लिए वे हर संभव प्रयास करेंगी।

रैली का मुख्य आकर्षण नेशनल स्केटिंग चैंपियन और 'वंडर बॉय' कार्तिक बंसल रहे। कार्तिक ने अपनी सुरीली आवाज में गीत गाकर वहां मौजूद भारी भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्तिक के साथ-साथ श्रिया सक्सेना, आदि रंजन, अंशुमान, समर बत्रा और समर्थ बंसल जैसे बच्चों ने अपनी उपस्थिति से यह साबित किया कि वे किसी भी मामले में सामान्य बच्चों से कम नहीं हैं। उन्हें बस दया की नहीं, बल्कि समान अवसरों की तलाश है।

इस मुहिम में भारत सरकार की अधिकारी अंजू रंजन (आदि रंजन की माता) ने भी अपनी निजी क्षमता में हिस्सा लिया और अभिभावकों को संबोधित करते हुए भावुक अपील की। रैली में योग शक्ति संस्थान (वाईएसएस) के सदस्यों सहित प्रदीप गुप्ता, संजीव गोयल, सौरभ केजरीवाल, हन्नी गुप्ता, श्वेता जैन और ध्रुव अग्रवाल जैसे गणमान्य लोग शामिल हुए। आधार इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेशल एजुकेशन के संचालक प्रमोद शर्मा और टेक्निया स्कूल के छात्रों ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई।

सरमाउंट वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश बंसल ने कहा, ÷इन बच्चों में अद्भुत क्षमताएं हैं। हमारा उद्देश्य सरकार और समाज को यह अहसास कराना है कि ये बच्चे बोझ नहीं, बल्कि देश का गौरव हैं।' रैली के समापन पर टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेशल एजुकेशन के छात्रों द्वारा कुलपति कार्यालय के बाहर प्रस्तुत किए गए 'नुक्कड़ नाटक' ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस गौरवशाली आयोजन की पूरी कवरेज में दिल्ली दर्पण टीवी की टीम भी सक्रिय रूप से जुटी रही।

दिल्ली में ट्रैफिक सुधार के लिए तीन प्रमुख मार्ग होंगे सिग्नल मुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ती यातायात समस्या से राहत देने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने तीन प्रमुख मार्गों को सिग्नल मुक्त बनाने की योजना पर कार्य शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रा समय को कम करना और यातायात को सुगम बनाना है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि दिल्ली के तीन प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। सबसे पहले आश्रम से बदरपुर मार्ग को प्राथमिकता दी गई है, जहां तीन बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव काफी कम होगा। मंत्री ने बताया कि महरौली से गुरुग्राम मार्ग को भी सिग्नल मुक्त बनाया जा रहा है। वर्तमान में इस मार्ग पर एक घंटे का समय लगने वाली यात्रा को घटाकर लगभग 15 मिनट करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कई फ्लाईओवरों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को बिना रुकावट अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा होगी। इसी क्रम में पंजाबी बाग से टिपरी बॉर्डर तक के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले मार्ग के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। योजना के तहत इस मार्ग को सिग्नल मुक्त बनाकर यात्रा समय को डेढ़ घंटे से घटाकर लगभग आधा घंटा करने का प्रस्ताव है। इसके लिए आवश्यक स्थानों पर फ्लाईओवर निर्माण की योजना बनाई जा रही है। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि गुरुग्राम से दिल्ली आने वाले मार्ग पर शिव मूर्ति के पास अक्सर भारी जाम की स्थिति बनी रहती है। इस समस्या के समाधान के लिए लगभग साढ़े पांच किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन तेज होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग का लोकार्पण शीघ्र ही किया जाएगा, जिससे दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के बीच संपर्क और बेहतर होगा। इसके साथ ही मुंबई एक्सप्रेस मार्ग के माध्यम से भी दिल्ली के यातायात दबाव को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद दिल्ली में यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध हो सकेगी, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

पशु संरक्षण के लिए दिल्ली के सभी जिलों में एसपीसीए समितियां बनाने का निर्णय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में पशु कल्याण व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सरकार ने सभी 13 राजस्व जिलों में सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (एसपीसीए) का गठन करने का निर्णय लिया है, जिसकी कमान अब संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के हाथ में होगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि राजस्व जिलों के हालिया पुनर्गठन के बाद यह कदम उठाया गया है, ताकि पशु संरक्षण से जुड़े कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन जिला स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। ये सभी एसपीसीए समितियां पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत कार्य करेंगी और इनमें पशु कल्याण के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों व अन्य सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में काम करने वाली ये समितियां पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों में तेजी से कार्रवाई, बेहतर निगरानी और समन्वय सुनिश्चित करेंगी, जिससे जमीनी स्तर पर व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर गठित एनिमल वेलफेयर बोर्ड इस पूरी व्यवस्था का शीर्ष निकाय होगा। यह बोर्ड कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगा और जिला स्तर पर कार्यरत एसपीसीए को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जिससे उनकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब अलग से संचालित दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (डीएसपीसीए) को बंद कर दिया जाएगा। इस कदम से व्यवस्था अधिक स्पष्ट, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पशुओं के संरक्षण और कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य स्तरीय एनिमल वेलफेयर बोर्ड और जिला एसपीसीए का यह संयुक्त ढांचा न केवल संस्थागत

व्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि राजधानी में पशु कल्याण के परिणामों में भी ठोस सुधार सुनिश्चित करेगा। पशुओं का संरक्षण एक संवेदनशील और जिम्मेदार समाज की पहचान है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये कदम दिल्ली को अधिक मानवीय और उत्तरदायी समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

संवाद और सहयोग से भारत रूस संसदीय संबंध होंगे और प्रगाढ़ : ओम बिरला

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संवाद और सहयोग के माध्यम से भारत और रूस के संसदीय संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाया जा सकता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच संसदीय राजनय को मजबूत करने तथा सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज पर जोर दिया।

रूस के रशियन फेडरेशन की फेडरल असेम्बली की फेडरेशन काउंसिल के प्रथम उपाध्यक्ष व्लादिमिर याकुशेव के नेतृत्व में भारत दौरे पर आए रूसी संसदीय शिष्टमंडल ने संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष से भेंट की। इस अवसर पर अध्यक्ष ने याकुशेव को फेडरेशन काउंसिल के संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और इसे भारत-रूस संसदीय सहयोग के प्रति रूस की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

ओम बिरला ने कहा कि भारत और रूस के संबंध परस्पर विश्वास पर आधारित हैं और समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से रूस उसका करीबी और विश्वसनीय भागीदार रहा है तथा दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच निरंतर संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च स्तरीय संपर्कों से द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा मिली है और सहयोग के नए मार्ग खुले हैं। दोनों पक्षों ने अंतर-संसदीय संघ, ब्रिक्स संसदीय मंच और जी 20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया।

बैठक के दौरान रक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग के साथ साथ अंतरिक्ष अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वच्छ ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अध्यक्ष ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

ओम बिरला ने भारत और रूस के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि रूसी विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र अध्ययन कर रहे हैं और रूस में योग तथा भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दशार्ती है। उन्होंने मॉस्को में आयोजित भारत उत्सव में लोगों की बड़ी भागीदारी को भी भारतीय संस्कृति के प्रति बढ़ती रुचि का संकेत बताया।

इस अवसर पर व्लादिमिर याकुशेव ने स्वागत के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी रूस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ब्रिक्स और पी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग को सराहा और व्यापार, ऊर्जा तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। दोनों पक्षों ने भारत रूस संबंधों को सभी आयामों में और सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इंदिरापुरम के निवासियों के लिए नगर निगम ने डाली ट्रेंच लेस विधि से 250 मीटर की लाइन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जन समस्याओं के समाधान के क्रम में इंदिरापुरम के निवासियों की जटिल समस्या सीवर ओवरफ्लो से निजात दिलाने का कार्य किया है, जिसमें बिना सड़क को क्षति पहुंचाए हाईटेक पद्धति का इस्तेमाल करते हुए ट्रेंच लेस विधि से 1800 एम एम डाया की लाइन डालने का कार्य किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा डाली गई पुरानी लाइन को डेढ़ मीटर तक नीचे किया गया, जिससे इंदिरापुरम में होने वाली सीवर ओवरफ्लो की समस्या का समाधान क्षेत्र वासियों को मिला है। लगभग साढ़े तीन करोड़ की लागत से कार्य किया गया, जिसके लिए नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार समिति का गठन करते हुए कार्य कराया गया। समिति में जल निगम के चीफ आर के पंकज, अधीक्षण अभियंता जल निगम चंद्र मोहन सोलंकी,अधिशासी अभियंता अरुण प्रताप सिंह, जलकल विभाग गाजियाबाद नगर निगम से महाप्रबंधक कामाख्या प्रसाद आनंद तथा अधिशासी अभियंता आश कुमार, वी ए टैक वाबैग के प्रोजेक्ट हेड अनुज त्रिपाठी भी समिति में रहे। जलकल, जल निगम तथा वाबैग के द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई, जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र के अंदर पुरानी डाली

हुई सिविल लाइन का गहनता से अध्ययन किया गया। इसके उपरांत विशेष कार्यवाही शहर हित में की गई तथा टेक्निकल रूप से इंदिरापुरम निवासियों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से निजात दिलाई गई। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम इंदिरापुरम क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य कर रहा है, जिसमें योजना के क्रम में एक-एक समस्या का समाधान भी कराया जा रहा है। सीवर ओवरफ्लो की समस्या जो कि कई वर्षों पुरानी समस्या थी, जिसकी तकनीकी समस्या का समाधान ट्रेंचलेस विधि से पाइप लाइन डालते हुए कराया गया। विशेष रूप से सड़क की खुदाई ना हो इसका विशेष ध्यान रखा गया चार स्थानों पर पैच बनाते हुए, सीआईएसफ रोड से होते हुए इंद्रपुरम के मैन पंपिंग स्टेशन तक अंडरग्राउंड लाइन डाली गई। 6 महीने के भीतर कार्य पूर्ण कराया गया, जिससे ना तो इंदिरापुरम क्षेत्र निवासियों को किसी प्रकार की परेशानी रही बल्कि तेजी से आधुनिक तकनीकी के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इंदिरापुरम क्षेत्र वासियों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से राहत दिलाई गई। समिति के माध्यम से कार्य कराया गया और लगातार मॉनिटरिंग जारी है।

नामित सभासदों का शपथ ग्रहण सम्पन्न, नगर विकास का लिया संकल्प

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा नामित पांचों सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने सभी नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। साथ ही सभी नव निर्वाचित प्रतिनिधियों ने नगर के सर्वांगीण विकास का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने नव निर्वाचित सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास कार्य बिना किसी भेदभाव के कराए जाएंगे और हर क्षेत्र को समान प्राथमिकता दी जाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजू एहलावत, जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी तथा भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल सहित अन्य वक्ताओं ने भी सभासदों को बधाई दी और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया। इससे पूर्व जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी के

आह्वान पर पार्टी कार्यकर्ता घंटाघर पर एकत्र हुए, जहां से सभी लोग सामूहिक रूप से नगर पालिका परिषद पहुंचे। यहां उपजिलाधिकारी द्वारा विधिवत रूप से सभी नामित सभासदों को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण करने वालों में रजत जैन, मनोज सैनी, मोनिका रहेजा, दिमाग सिंह और अजय कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम में पालिका अधिकारियों के साथ श्रवण कुमार, संदीप अग्रवाल, राहुल, प्रदीप शर्मा, राजू उपाध्याय, दर्पण गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोदीनगर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में 74वीं रैंक प्राप्त करने वाले हर्ष नेहरा सम्मानित

मोदीनगर (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय नेहरा ट्रस्ट की ओर से हापुड़ रोड स्थित एक फार्म हाउस में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 74वीं रैंक प्राप्त करने वाले हर्ष नेहरा रहे, जिन्हें प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मेरठ जनपद की सरधना तहसील के गांव बहादुरपुर निवासी हर्ष नेहरा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय सकारात्मक सोच, अनुशासन और निरंतर कठिन परिश्रम को दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कोई भी परीक्षा कठिन नहीं होती, बल्कि उसे प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प, समर्पण और निरंतर मेहनत की आवश्यकता होती है। उन्होंने

युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से प्रयास करने का संदेश दिया। समारोह में गांव याकूतपुर मवी निवासी डॉ शगुन नेहरा सहित अनेक प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के झुंझुनूं से पधारे बलबीर सिंह नेहरा ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने जीवन में उच्च स्थान प्राप्त कर सकता है और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकता है।

गुरुग्राम निवासी अमित नेहरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ साथ संस्कारों का भी विशेष महत्व है। उन्होंने युवाओं को नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सिरसा (हरियाणा) से आए संदीप नेहरा तथा ट्रस्ट अध्यक्ष विजेंद्र सिंह नेहरा (गामड़ी, मेरठ) सहित अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षा, अनुशासन और समाज के उत्थान पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अजब सिंह नेहरा ने की, जबकि संचालन अमित नेहरा और अभिषेक ने संयुक्त रूप से किया। समारोह की विशेषता यह रही कि प्रतिभाओं के साथ-साथ उनके परिजनों को भी सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम का महत्व और अधिक बढ़ गया तथा उपस्थित लोगों में उत्साह का वातावरण बना रहा।

इस कार्यक्रम का आयोजन नरेश नेहरा (गदाना) की ओर से किया गया। इस अवसर पर गन्ना समिति के पूर्व अध्यक्ष अजय नेहरा, ओमपाल सिंह नेहरा (विशोखर), सुभाष नेहरा (काशीपुर), अल्स्टन नेहरा (पूर्व प्रधान, याकूतपुर मवी), कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जोगेश नेहरा, जाट समाज अध्यक्ष सतीश नेहरा, विक्रम सिंह नेहरा (बहादुरपुर), नरेश नेहरा और विनोद नेहरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

साहिबाबाद के लाजपत नगर बी ब्लॉक में हनुमान जन्मोत्सव, श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली एनसीआर के गाजियाबाद जनपद के साहिबाबाद क्षेत्र स्थित लाजपत नगर बी ब्लॉक में हनुमान जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। पूरे क्षेत्र में सुबह से ही धार्मिक वातावरण बना रहा और हनुमान भक्तों की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का आयोजन महंत शिव शंकर विश्वकर्मा के सानिध्य एवं देखरेख में संपन्न हुआ, जिनके निर्देशन में सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गईं।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को रंग बिरंगी सजावट, फूल मालाओं और विद्युत झालरों से आकर्षक रूप दिया गया था। प्रातः काल से ही पूजा अर्चना, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ और भजन कीर्तन का आयोजन

प्रारंभ हो गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें दूर दूर से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में सेवा कार्य में जुटे स्वयंसेवकों ने अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, जिससे किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की विशेष व्यवस्था भी की गई थी।

आयोजन को सफल बनाने में मुख्य कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनमें सतवीर प्रजापति, विक्रम यादव, ओम मेहता, दीपक मक्कार, नीरज विश्वकर्मा, विपिन विश्वकर्मा और विकास विश्वकर्मा ने पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ व्यवस्थाओं को संभाला। सभी कार्यकताओं ने मिलकर कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था का प्रतीक बताया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा, साफ सफाई और यातायात व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

हनुमान जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन ने न केवल क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का संचार किया, बल्कि लोगों के बीच आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया।

मुरादनगर में गरजा जीडीए का बुलडोजर : 3600 वर्ग मीटर में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को जारी रखते हुए गुरुवार को मुरादनगर क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की। मुरादनगर के ग्राम सरना में लगभग 3600 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से विकसित की जा रही एक कॉलोनी को प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

भारी विरोध के बीच चला ध्वस्तीकरण अभियान

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के कड़े निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 2 की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँची। यहाँ खसरा संख्या 602, 603 और 605 पर शहजाद मलिक, सलीम मलिक, शरद सिंहल और अन्य सहयोगियों द्वारा बिना किसी स्वीकृत मानचित्र के अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। कार्यवाही के दौरान कॉलोनाइजरों और निर्माणकताओं ने टीम का रास्ता रोकने का प्रयास किया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस और प्रवर्तन दस्ते की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली।

साइट ऑफिस और सड़कें की गई ध्वस्त

मौके पर लगभग दो फीट ऊँचाई तक चिनाई कर रास्तों और प्लॉटों का सीमांकन किया जा चुका था। प्राधिकरण की टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध रूप से निर्मितः साइट ऑफिस, बाउंड्रीवॉल, नवनिर्मित सड़कें

अवैध निर्माण की नींव (चिनाई) इन सभी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर मौजूद कॉलोनाइजर पक्ष द्वारा कोई भी स्वीकृत ले आउट प्लान या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

अधिकारियों की रही मौजूदगी

ध्वस्तीकरण की यह बड़ी कार्यवाही प्रभारी प्रवर्तन जोन 02 के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता सहित प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और भारी संख्या में प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में भी बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जाने वाले किसी भी निर्माण या अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध इसी प्रकार की कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

जीडीए का बड़ा एक्शन : गोविन्दपुरम में 5000 वर्ग मीटर में फैला अवैध मैरिज होम जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णो के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए गुरुवार को गोविन्दपुरम इलाके में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राधिकरण की टीम ने करीब 5000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से बनाए गए एक विशाल विवाह मण्डप (मैरिज होम) को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस दौरान निर्माणकताओं ने जमकर हंगामा और विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

भारी विरोध के बीच चला पीला पंजा

जीडीए उपाध्यक्ष के निदेशानुसार अवैध कॉलोनियों और निमार्णो के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में मुकेश कुमार और उनकी टीम सदरपुर गाँव के खसरा संख्या 1600 (रोड नंबर 1, प्रीतम फार्म हाउस के पास) पहुंची। यहाँ बिना किसी स्वीकृति के लगभग 5000 वर्ग मीटर में भव्य विवाह मण्डप खड़ा कर लिया गया था। जैसे ही प्राधिकरण के बुलडोजर ने ढांचे को गिराना शुरू किया, स्थानीय निर्माणकताओं और उनके समर्थकों ने कार्रवाई का पुरजोर विरोध किया। स्थिति को देखते हुए प्राधिकरण पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और विरोध कर रहे लोगों को नियंत्रित कर ध्वस्तीकरण जारी रखा।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई काफी देर तक चली, जिसमें मैरिज होम के अवैध ढांचे को मलबे में तब्दील कर दिया गया। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, समस्त सुपरवाइजर, मेट के साथ साथ स्थानीय थाना पुलिस और प्राधिकरण का भारी पुलिस बल तैनात रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शहर में कहीं भी बिना मानचित्र स्वीकृत कराए या अवैध रूप से किए गए निमार्णो को बख्शा नहीं जाएगा और आने वाले दिनों में ऐसी अन्य संपत्तियों पर भी कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवती की मौत

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती की मौके पर ही कटकर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोमयी फाटक के पास मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रही राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में युवती आ गई। हादसे के बाद ट्रेन के लोको पायलट ने तुरंत रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। युवती की पहचान उसके पिता मामचंद और रिश्तेदार रितेश ने सुनीता के रूप में की। परिजनों के अनुसार, सुनीता हादसे से करीब एक घंटे पहले घर से किताब लेने के लिए बाजार जाने की बात कहकर निकली थी। परिवार के लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंच गई। घटना के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है, ताकि घटना की वास्तविक वजह सामने आ सके।

घर में छिपाकर रखे 14 गैस सिलेंडर बरामद, अवैध भंडारण पर एफआईआर दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में पुलिस और जिला पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान पर छापेमारी कर ब्लैक में बेचने के लिए रखे गए 14 गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार गढ़ रोड स्थित सर्वोदय कॉलोनी में पुलिस और जिला पूर्ति विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापा मारा। छापेमारी के दौरान मकान के अंदर से बड़ी संख्या में घरेलू और कामर्शियल गैस सिलेंडर मिले। टीम ने मौके से कुल 14 सिलेंडर बरामद कर जब्त कर लिए। जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा सिंह ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति द्वारा मनोज गर्ग के मकान में गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण की शिकायत की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम के साथ मौके पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि बरामदगी की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी कार्यालय को भेज दी गई है। वहीं पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मेपल्स एकेडमी में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला आयोजित, छात्रों को सिखाए गए बचाव के उपाय

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने छात्रों को आग लगने की स्थिति में सतर्कता बरतने और उससे बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान अग्निशमन अधिकारी रामकिशोर यादव ने छात्रों को शॉर्ट सर्किट, गैस सिलेंडर और पेट्रोल जैसी ज्वलनशील वस्तुओं के कारण लगने वाली आग के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए हमेशा सतर्क रहना आवश्यक है। साथ ही, आपातकालीन स्थिति में अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) के सही उपयोग की भी जानकारी दी गई। छात्रों को पुल, स्क्वीज और स्वीप विधि के माध्यम

से आग बुझाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे आपात स्थिति में तुरंत और सही निर्णय ले सकें। इस प्रशिक्षण ने छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी विकसित की। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने कहा कि जीवन में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे कार्यशाला में बताए गए सभी सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। विद्यालय के प्रबंधक राजीव गर्ग ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए मानसिक और व्यवहारिक रूप से तैयार करना है, ताकि वे न केवल स्वयं सुरक्षित रह सकें बल्कि समाज में भी सुरक्षा जागरूकता का संदेश फैला सकें। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव, अनन्या गर्ग, कपिल मित्तल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

खालिद तालिब बंधु प्रकरण ने पकड़ा तूल, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में बहुचर्चित खालिद तालिब बंधुओं का मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। एक ओर पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह अपने क्रियाकलापों को लेकर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा तालिब खालिद बंधुओं को भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं में गिरफ्तार किए जाने से पूरी कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजूदा घटनाक्रम के बाद समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता खुलकर मैदान में उतर आए हैं और प्रशासनिक कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। जिले के विभिन्न संगठनों और दलों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से अपील की है कि मामले को संतुलित ढंग से संभाला जाए ताकि जनपद का माहौल खराब न हो। गौरतलब है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रॉबिन चौधरी के साथ मामूली विवाद के बाद प्रशासन ने तालिब खालिद बंधुओं के शस्त्र लाइसेंस और पासपोर्ट निलंबित कर दिए थे तथा उनकी आरा मशीन और फैक्ट्री को भी सील कर दिया गया था। बताया जाता है कि 1 अप्रैल को पूर्व सांसद

थाना शहर कोतवाली में खालिद व तालिब इंसाफ की गुहार लगाते हुए,साथ में परिवार की महिलाएं

एसपी, बिजनौर अभिषेक झा

भारतेंद्र सिंह अपने समर्थकों के साथ बंधुओं की आरा मशीन पर पहुंचे, जहां उस समय प्रशासनिक जांच चल रही थी। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद उन्होंने हंगामा किया, गाड़ी के सामने आकर विरोध जताया और सुरक्षा कर्मियों के शस्त्र छीनने का प्रयास किया। इसके बाद तालिब खालिद बंधु अपने परिजनों, विशेषकर महिलाओं के साथ थाने पहुंचे और कार्रवाई के विरोध में आत्मघाती कदम उठाने की चेतावनी दी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी बीच पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह भी अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और अपने सहयोगी तुषार मलिक के माध्यम से तहरीर दिलवाई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्हें पुराने मामले में समझौते के बहाने बुलाकर दबाव बनाया गया तथा विवाद के दौरान खालिद बंधुओं द्वारा तमंचे से फायरिंग की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने वायरल बयान में निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है, लेकिन सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं। आमजन के साथ साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकताओं में भी खालिद तालिब बंधुओं के प्रति सहानुभूति देखी जा रही है। मामले के राजनीतिक रंग लेने के साथ ही तनाव और बढ़ गया है। मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने घटना की निंदा करते हुए इसे उत्पीड़न की पराकाष्ठा बताया और पूर्व सांसद पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। वहीं कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष वसीम अकरम, बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वर्तमान सपा कार्यकर्ता सतपाल प्रधान, सपा नेता डॉ. रमेश तोमर, दिलशाद अंसारी तथा व्यापारी नेता दिलशाद खान ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा और जिलाधिकारी जसजीत कौर से मिलकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुल मिलाकर, यह प्रकरण अब प्रशासन और राजनीति के बीच बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

तरणताल का हुआ भव्य शुभारंभ, डीएम जसजीत कौर ने फीता काटकर किया उद्घाटन

बिजनौर (शिखर समाचार)। नेहरू स्टेडियम स्थित तरणताल का शुभारंभ गुरुवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा विधिवत नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि जसजीत कौर ने अपने संबोधन में कहा कि यह तरणताल जिले के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। इससे न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा, बल्कि युवाओं में स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यहां से उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार होकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने कहा कि उनका प्रयास है कि अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ा जाए और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर हिमांशु, चित्रा चौहान, जितेंद्र गुप्ता, शुभम तोमर, सवागालम, हिमांशु, अंशु चौधरी तथा जीवन रक्षक सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नारियल फोड़कर शुभारंभ करती डीएम जसजीत कौर

संक्षिप्त समाचार

राजस्व बार एसोसिएशन का गठन, शिवम पांडेय बने अध्यक्ष

वाराणसी , एजेंसी। राजातालाब तहसील में राजस्व बार एसोसिएशन का गठन किया गया। अधिवक्ताओं की बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। अध्यक्ष पद पर शिवम पांडेय और महामंत्री पद पर धीरेंद्र प्रताप सिंह को चुना गया। शोभनाथ को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अशोक कुमार व दुर्गेश कुमार को कनिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। पुष्पराज मौर्य को कोषाध्यक्ष, रविंद्र कुमार वर्मा को सहायक सचिव (प्रशासन) तथा अजय कुमार श्रीवास्तव को पुस्तकालय मंत्री नियुक्त किया गया। नासिर हुसैन को आय-व्यय निरीक्षक और रमेश कुमार को सहायक सचिव बनाया गया। वरिष्ठ सदस्य के रूप में महेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, प्रेम कुमार पटेल, विजय कुमार यादव, नामवर प्रसाद और अंकेश गिरी को जिम्मेदारी दी गई। वहींए अश्विनी कुमार मिश्रा, जय हिंद, जय सिंह, प्रदीप कुमार गिरी, रितेश कुमार सिंह और देवेंद्र सिंह यादव को कनिष्ठ सदस्य बनाया गया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

बड़हलगंज में डॉ. आंबेडकर का बैनर हटाने पर बवाल

गोरखपुर , एजेंसी। नगर पंचायत की ओर से डॉ. भीमराव आंबेडकर का बैनर हटाए जाने को लेकर कस्बे में हंगामा हो गया। सोमवार रात हुई घटना के बाद मंगलवार को आक्रोशित लोगों ने सैकड़ों की संख्या में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस पर प्रशासन को आनन-फानन में नया बैनर लगवाना पड़ा। मंगलवार को आंबेडकर चौराहे पर समर्थकों की बड़ी संख्या एकत्रित हुई और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व अधिशासी अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। भीम सेवा आश्रम, त्रिशरण पंचशील बौद्ध धर्म के अनुयायी, सपा और बसपा समर्थक नगर में जुलूस निकालकर विरोध किया। प्रदर्शनकारियों में शैलेंद्र कुमार, देवनारायण बौद्ध, संतोष कुमार, सपा के पूर्व चेयरमैन सूरज जायसवाल और बसपा के श्रवण जायसवाल ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने अधिशासी अधिकारी को मोहरा बनाकर कर्मचारियों पर दबाव डलवाया और डॉ. आंबेडकर का बैनर जबरन हटवाया। इसके बाद आक्रोशित लोग जुलूस के रूप में नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर थाना प्रभारी सुनील कुमार राय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बैनर हटाने की घटना की निंदा करते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आमरण अनशन किया जाएगा।

वीडीए ने बुलडोजर से 30 स्थानों पर 75 बीघे की प्लाटिंग तोड़ी

वाराणसी , एजेंसी। जोन पांच रामनगर, मुगलसराय की प्रवर्तन टीम ने मंगलवार को ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। इस दौरान 30 स्थानों पर 75 बीघे की प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कराई गई। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। उपाध्यक्ष के अनुसार बरूईपुर के राजनारायण सिंह, अचीतपुर के रितेश पांडेय, खजूरगांव के अज्ञात, कटरिया के विनोद यादव, परोरवा के अज्ञात की ओर से बगैर नक्शा पास कराए प्लाटिंग की जा रही थी। इसे ध्वस्त कराया गया। वहीं, गोविंदपुर के मानसिंह, बरईपुर के अज्ञात, मन्नापुर के अखिलेश यादव, खजूर गांव के अज्ञात, खजुराहो गांव के दिनेश वी रामेश्वर की प्लाटिंग तोड़ी गई। चांदीतारा के अज्ञात, खजूर गांव के प्रदीप शर्मा, रतनपुर के अज्ञात, खजूर गांव के महेंद्र, गोपालपुर के हरिद्वार सिंह के अवैध निर्माण को तोड़ा गया। फतेहपुर के अज्ञात, मिल्कीपुर के अज्ञात, गोविंदपुर के अरविंद यादव, खुटहां के कार्तिकेय सिंह, छोटा मिर्जापुर के संजय सिंह के निर्माण को ध्वस्त कराया गया। छोटा मिर्जापुर के अज्ञात, छोटा मिर्जापुर के मनोज, छोटा मिर्जापुर के संजय रंजन सिंह, अदलहाट के रूबी चौरसिया, विशषरपुर के इकबाल अहमद के अवैध निर्माण को तोड़ा गया। मुजफ्फरपुर के अमीरचंद पटेल, नारायणपुर के अज्ञात, अदलहाट के वीरेंद्र कुमार सिंह के अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया। मौके पर जोनल अधिकारी शिवाजी मिश्रा व अवर अभियंता संजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

क्वार्सी चौराहा फ्लाईओवर 15 अप्रैल तक होगा चालू

अलीगढ़ , एजेंसी। बहुप्रतीक्षित क्वार्सी चौराहा फ्लाईओवर का निर्माण अब लगभग पूरा हो रहा है। फोरलेन वाले इस पुल पर डिवाइडर का निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके बाद डामरीकरण होगा और काम लगभग पूरा हो जाएगा। 15 अप्रैल तक इसको चालू करने की तैयारी हो रही है, ताकि आम जनता को जाम से जल्द से जल्द से राहत दिलाई जा सके। जुलाई 2024 में इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। लगभग 71.17 करोड़ से बनकर तैयार हो रहा यह पुल फोरलेन है। इसकी कुल चौड़ाई लगभग 17 मीटर तक है। इसके बीच में डिवाइडर भी बन रहा है। राज्य सेतु निगम के परियोजना निदेशक मोहित ने बताया कि दो साल से कम अवधि में इसको तैयार किया गया है।

नया सत्र शुरू, लेकिन रिजल्ट नहीं मिला

बिना प्रोन्नति स्कूल पहुंचेंगे हजारों बच्चे; शिक्षा विभाग की तैयारी

आगरा , एजेंसी। आगरा में नया सत्र शुरू हो गया, लेकिन कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों का परिणाम जारी नहीं हो सका। विद्यार्थी बिना प्रोन्नति के स्कूल पहुंचे, जबकि विभाग आज रिपोर्ट कार्ड वितरित करने की तैयारी में है।

परिषदीय विद्यालयों में आज से नया सत्र शुरु होगा, लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग का 31 मार्च तक परीक्षाफल जारी करने का दावा विफल रहा। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक किसी भी कक्षा का परीक्षाफल जारी नहीं हो सका। आज विद्यार्थी बिना दूसरी कक्षा में प्रोन्नत हुए विद्यालय पहुंचेगे।

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि परीक्षाएं 16 से शुरू हुई थी। 20 मार्च को समाप्त होनी थी, लेकिन 17 को कक्षा 5 और 8 का गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का प्रश्नपत्र स्थगित हो गया। इसके बाद 24 मार्च को स्थगित परीक्षा को कराने की तिथि जारी की गई थी। बाद में इसमें शासन की ओर से संशोधन करते हुए 28 मार्च कर दी गई। बीच में अवकाश हो गए। 31 मार्च को भी अवकाश था। इस कारण से परीक्षाफल जारी नहीं किया जा सका। आज सभी का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर उनको वितरित किया जाएगा। मूल्यांकन कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

जिले में 2,491 परिषदीय विद्यालयों में 2,38,000 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के जिला महामंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि बुधवार को नवीन प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। जो नए बच्चे प्रवेश लेंगे, उनका तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली जाएगी।

आज स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम: जिला बेसिक शिक्षाधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि न्यू आगरा स्थित कंपोजिट विद्यालय में बुधवार को स्कूल चलो अभियान के तहत कार्यक्रम किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इसके बाद रैली निकाली जाएगी। स्कूलों का समय शासनादेश के तहत यथावत ही रहेगा। अभी उसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

परिषदीय विद्यालयों के संचालन के समय में बदलाव की मांग यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) ने की है। जिला महामंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि 2015 तक ग्रीष्मकाल में स्कूल सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक चलते थे, जिसे 2016 में बदलकर 8 से 1 बजे किया गया। वर्ष 2022 में कोरोना काल में पढ़ाई की भरपाई के लिए समय बढ़ाकर 2 बजे तक कर दिया गया, जो अभी भी जारी है। बताया कि आरटीई के अनुसार गर्मियों में 5 घंटे का समय तय है। उन्होंने प्रशासन से 1 अप्रैल से समय 7:30 से 12:30 करने की मांग की है।

आठ वर्षीय मासूम के कातिल को पुलिस ने किस तरह किया ढेर, घटना का क्राइम सीन दोहराएंगे वैज्ञानिक

आगरा , एजेंसी। आगरा में 8 साल की बच्ची के हत्यारे के एनकाउंटर की सच्चाई अब एफएसएल जांच से सामने आएगी। वैज्ञानिक क्राइम सीन दोहराकर मुठभेड़ से जुड़े सभी सवालों की जांच करेंगे।

आगरा के ताजगंज में जूता कारखाना संचालक की आठ साल की बेटी की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में ढेर हुआ था। पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी कहां की थी? मुठभेड़ में कितने पुलिसकर्मी शामिल थे? गोली कितनी दूरी से मारी गई? कितने राउंड फायर किए गए? इन सभी सवालों की पड़ताल विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक करेंगे। क्राइम सीन को दोहराने के बाद रिपोर्ट देंगे। इसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया को अमल में लाया जाएगा।

ताजगंज क्षेत्र के जूता कारखाना संचालक की बेटी 24 मार्च की दोपहर को घर के बाहर से लापता हो गई थी। 25 मार्च की रात को उसका शव घर के सामने ही रहने वाले कारखाना संचालक के किरायेदार के कमरे में मिला था। गला काटकर हत्या के बाद शव को ड्रम में छिपाया गया था। आरोपी किरायेदार सुनील भाग गया था। अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी लगाए थे।

200 से अधिक कैमरों को देखने के बाद आरोपी के बारे में सुराग मिला था। 28 मार्च की तड़के बमरौली कटारा क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुनील को मार गिराया गया था। उसको एक गोली लगी थी। उसके पास से तमंचा बरामद हुआ था। बाइक भी मिली थी। बाइक किसकी है? यह स्पष्ट नहीं हो सका था। मामले में जल्द ही विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम जांच करेगी।

हॉरर रील के शौक से डरावने सपनों का खौफ, ब्लू लाइट से टूट रहा स्लीप साइकिल

कानपुर , एजेंसी। रील की लत किशोरों की रियल लाइफ पर असर डाल रही है। उन्हें रात में डरावने सपने (नाइटमेयर) आते हैं। साथ ही निद्रा चक्र प्रभावित हो गया है। ऐसे किशोरों और युवाओं में आत्मविश्वास घट जा रहा है। पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। अभिभावक किशोरों को लेकर मनोरोग विभाग की किशोरावस्था क्लीनिक में आ रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के एडोलेसेंट क्लीनिक में आए किशोरों की हिस्ट्री से पता चला है कि जिनको डरावने सपने आ रहे हैं, वे हॉरर रील अधिक देखते हैं।

घर वालों ने बताया कि वे सोते-सोते चौंककर उठ जाते हैं। इसके अलावा सोने के दौरान उठकर चल पड़ते हैं। इससे गिरने का डर रहता है। जब होश आता है तो उन्हें कुछ पता नहीं रहता। परीक्षाओं में ये फेल जाते हैं या फिर बहुत कम अंक पा रहे हैं। ऐसे किशोरों की याददाश्त भी प्रभावित हुई है। किसी काम को लेकर उनमें आत्मविश्वास नहीं रहता। घर वालों के कुछ कहने पर उग्र बर्ताव करने लगते हैं।

रील का कंटेंट मनोदशा को करता है प्रभावित : जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय चौधरी ने बताया कि मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी न्यूरो केमिकल का संतुलन बिगाड़ती है। इससे निद्रा चक्र टूटता है। इसके अलावा रील का कंटेंट मनोदशा को प्रभावित करता है। इससे नाइटमेयर आने लगते हैं। इसका असर दिलो-दिमाग पर बना रहता है। इसके दुष्प्रभाव आने लगते हैं। इसकी वजह से साइकोलॉजिकल डिसऑर्गेनाइजेशन होने लगता है।

कमरे में बल्ब जलाकर सोते हैं : विभाग की चाइल्ड एवं एडोलेसेंट विशेषज्ञ डॉ. कृतिका चावला का कहना है कि बच्चों के बदले व्यवहार से घर वाले परेशान रहते हैं। पढ़ाई पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। बहुत से बच्चे नाइटमेयर की वजह से सोते वक्त डरते हैं। कमरे में बल्ब जलाकर सोते हैं। इसका दुष्प्रभाव उनकी मानसिकता पर आ रहा है। रील वाली जिंदगी रियल्टी में पाने के चक्कर में अवसाद की स्थिति पैदा हो जाती है।

कोतवाली व नजीबाबाद ब्लॉक में लापरवाही पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब

बिजनौर (शिखर समाचार)। आकांक्षात्मक विकास खंडों में विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने विकासखंड कोतवाली और नजीबाबाद के खण्ड शिक्षा अधिकारियों, एडीओ पंचायत तथा सीडीपीओ से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन के निदेशों के बावजूद कायाकल्प कार्यक्रम, पोषण वितरण, शौचालय निर्माण और मरम्मत कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आकांक्षात्मक ब्लॉकों के विकास को लेकर शासन अत्यंत गंभीर है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि भविष्य में भी लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रणविजय सिंह विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आकांक्षात्मक विकास खंडों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 10 अप्रैल 2026 तक शासन द्वारा निर्धारित सभी इंडिकेटर्स के अनुरूप कार्यों को गुणवत्ता और मानक के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि 11 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित समीक्षा बैठक में यदि किसी भी इंडिकेटर के अनुसार कार्य अधूरा या मानक के अनुरूप नहीं पाया गया, तो संबंधित विभागीय अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चयनित कोतवाली और नजीबाबाद विकास खंडों को आकांक्षात्मक जनपदों की तर्ज पर विकसित किया जाना है। इसके लिए आवश्यक है कि सभी विभागीय अधिकारी निर्धारित संकेतांकों के अनुसार प्रगति सुनिश्चित करें और राज्य के औसत स्तर तक प्रदर्शन पहुंचाने के लिए नियमित अनुश्रवण करें।

बैठक में उपायुक्त एनआरएलएम योगेन्द्र कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन सचान, जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल चौबे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

करोड़ों के ट्रांसफार्मर फुंकने पर पांच बिजली अधिकारी निलंबित, आदेश के बाद भी जांच में बरती लापरवाही

मेरठ , एजेंसी। ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने पर एक अधिशासी अभियंता (एक्सईएन), दो एसडीओ और दो अवर अभियंताओं (जेई) पर गाज गिरी है। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल के निर्देश पर पीवीवीएनएल एमडी ने ये कार्रवाई की।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता ने बड़े ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने के मामले में एक अधिशासी अभियंता (एक्सईएन), दो एसडीओ और दो अवर अभियंताओं (जेई) को निलंबित कर दिया है। वहीं, मुख्य अभियंता वितरण मेरठ प्रथम और अधीक्षण अभियंता वितरण मंडल मेरठ क्षेत्र प्रथम से स्पष्टीकरण मांगा गया है। एमडी ने यह कार्रवाई पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर की है। जांच में दोषी पाए जाने के बाद सभी अधिकारियों को निलंबित कर मुख्य अभियंता गजरौला के कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

मेरठ के विभिन्न उपकेंद्रों पर पिछले कुछ समय में 10-10 एमवीए के तीन बड़े पावर ट्रांसफार्मर जलकर क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे न केवल राजस्व की हानि हुई बल्कि शहर की बिजली आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई। इनमें 14 जुलाई 2025 को रामलीला ग्राम उपकेंद्र पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ। 22 जनवरी 2026 को उद्योगपुरम उपकेंद्र पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर फुंका। वहीं 15 मार्च 2026 को सौफीपुर उपकेंद्र पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर खराब हुआ। इनकी कीमत कई करोड़ रुपये बताई गई है। पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने इस पूरे प्रकरण की गोपनीय जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि गर्मी का सीजन शुरू होने से पहले चलाए गए एक महीने के विशेष अनुरक्षण (मेंटेनेंस) अभियान के बावजूद इन ट्रांसफार्मरों की देखरेख और जांच सही तरीके से नहीं की गई। वहीं अक्तूबर 2025 में एक महीने का अनुरक्षण माह अभियान चलाया गया था। आरोप है कि इन अभियंताओं ने देखभाल व जांच में लापरवाही बरती, जिसके चलते ट्रांसफार्मर फुंक गए। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष आशीष गोयल की सख्ती पर यह कड़ी कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि उच्च अधिकारियों (मुख्य अभियंता व अधीक्षण अभियंता) ने केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर पेनल्टी लगाकर खानापूर्ति कर दी थी।

व्यापारी ने इस कदर लुटाई रकम, पत्नी और बेटे का खाता भी कर दिया खाली, हकीकत ने उड़ा दिए होश

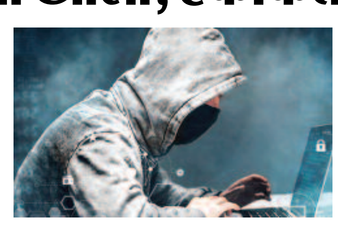

आगरा , एजेंसी। आगरा में फेसबुक पर दोस्ती कर महिला ठग ने व्यापारी को विदेशी मुद्रा निवेश के नाम पर 27.52 लाख रुपये ठग लिए। मुनाफा दिखाकर और रकम मांगने पर शक हुआ, जिसके बाद पीड़ित ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई।

फेसबुक पर महिला साइबर अपराधी ने व्यापारी से दोस्ती कर ली। विदेशी मुद्रा में निवेश करने पर कम समय में कई गुना मुनाफे का लालच देकर जाल में फंसा लिया। व्यापारी ने अपने, पत्नी व बेटे के बैंक खातों से कई बार में 27.52 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब मुनाफे की रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपी ने और रकम की मांग की। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

खंदारी स्थित गणपति अपार्टमेंट निवासी रितेश सारस्वत पुस्तक व्यापारी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 17 नवंबर 2025 को रिधिमा सारस्वत नाम की फेसबुक आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। महिला ने खुद को मुंबई निवासी बताते हुए आगरा के कमला नगर में रिश्तेदारी होने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप नंबर के जरिये संपर्क बढ़ाया और ऑनलाइन निवेश कंपनी सीपीटी मार्केट्स के विदेशी मुद्रा ट्रेड में निवेश पर कई गुना मुनाफे का झांसा दिया।

बातों में आकर 6 दिसंबर 2025 को भेजे गए लिंक से पीड़ित ने एप डाउनलोड कर पत्नी के खाते से 42,500 रुपये निवेश किए। आरोपी के कहने पर रितेश ने अलग-अलग बैंक खातों से कई किस्तों में रकम भेजी। एप पर मुनाफा दिखने पर अपने बेटे के नाम से भी ट्रेडिंग अकाउंट बनाकर निवेश किया। कुल 13 बार में अपने, पत्नी व फर्म सारस्वत बुक डिस्ट्रीब्यूटर के खाते से कुल 27,52,500 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

जब पीड़ित ने मुनाफे की रकम निकालने का प्रयास किया तो उससे और रुपये जमा करने को कहा गया। तब ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत की। इसके बाद साइबर क्राइम थाने में भी प्राथमिकी दर्ज कराई। थाना प्रभारी साइबर क्राइम ने बताया कि संबंधित खातों को होल्ड कराया गया है। मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया खाते के आईपी एड्रेस से आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी प्रेम, लालच और डर को हथियार बनाकर ठगी करते हैं। ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी तेजी से बढ़ रही है।

जेनरो 26 का भव्य आगाज, सुनंदा शर्मा की प्रस्तुति ने युवाओं में भरा जोश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ए.बी.ई.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय टेक्नो-कल्चरल महोत्सव "जेनरो'26 - द एटर्नल लेगेसीह्व का शुभारंभ गुरुवार को उत्साह और उमंग के बीच हुआ। महोत्सव में तकनीक, संस्कृति और मनोरंजन से जुड़े 50 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें देशभर के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन नीरज गोयल ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को निखारने का मंच प्रदान करते हैं। जनरल सेक्रेटरी शाश्वत गोयल ने बताया कि ए.बी.ई.एस. समूह ने वर्ष 2025 में अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण किए हैं और उसी उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। निदेशक आलोक चौहान ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महोत्सव के पहले दिन कॉलेज परिसर में विभिन्न गतिविधियों की धूम रही। ऑडिटोरियम में आयोजित स्टैंड-अप कॉमेडी शो में कॉमेडियन राकेश अदलखा ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को खूब हंसाया। वहीं शाम को कॉलेज स्टेडियम में पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा की लाइव प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उनके लोकप्रिय गीतों पर युवा देर तक झूमते नजर आए और पूरा परिसर संगीत की धुनों से गूंज उठा। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रभात सिंह ने बताया कि दूसरे दिन ऑडिटोरियम में ट्रेजर आर्ट एसोसिएशन द्वारा नाटक ह्लअंधा युगह्व का मंचन किया जाएगा। इसके साथ ही स्टेडियम में सूफी नाइट का आयोजन होगा, जिसमें निजामी बंधु यूथ अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके बाद गायिका अपूर्वा चौहान और उनकी बैंड टीम का लाइव कार्यक्रम भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। महोत्सव के अंतिम दिन तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टेक्नो एक्सपो और आइडिएथॉन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाम को पंजाबी गायक परमिश वर्मा की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होगी। इसके बाद सनबर्न नाइट के साथ महोत्सव का समापन होगा, जिसमें डीजे मुनेका अपने संगीत से माहौल को रोमांचक बनाएंगे। मीडिया प्रभारी तरुण अरोड़ा ने बताया कि महोत्सव के माध्यम से छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में सिटी बिजलीघर पर उपभोक्ताओं का हंगामा, पुरानी मीटर बहाल करने की मांग

शामली (शिखर समाचार)। गुरुवार को शहर के सिटी बिजलीघर पर विद्युत उपभोक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा, जहां दर्जनों की संख्या में पहुंचे लोगों ने जमकर हंगामा किया। उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग पर बिना पूर्व सूचना के बिजली कनेक्शन काटने का आरोप लगाया और एडवांस भुगतान व्यवस्था का विरोध करते हुए पुराने मीटर दोबारा लगाए जाने की मांग की। बताया गया कि पिछले एक महीने से स्मार्ट मीटरों की वजह से उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बकाया राशि या बैलेंस खत्म होते ही ये मीटर अचानक बिजली आपूर्ति बंद कर देते हैं, जिससे लोगों को रात में भी अंधेरे में रहना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली काट देना अनुचित है, जिससे खासकर बच्चों और महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले भी करीब 15 दिन पूर्व उपभोक्ताओं ने देर रात तक सिटी बिजलीघर पर प्रदर्शन किया था। गुरुवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को जनहित के खिलाफ बताते हुए इसे हटाने और पारंपरिक मीटर पुनः लगाने की मांग की। साथ ही एडवांस बैलेंस जमा करने की व्यवस्था को भी गलत ठहराया। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंचे विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बिल जमा होने के दो घंटे के भीतर कनेक्शन दोबारा चालू कर दिया जाएगा और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। इस दौरान बिजलीघर परिसर में बिल जमा करने को लेकर अफरा तफरी का माहौल बना रहा। लंबी लंबी कतारों में खड़े उपभोक्ताओं के बीच धक्का मुक्की की स्थिति भी देखने को मिली। स्थिति को देखते हुए विभाग की ओर से अतिरिक्त काउंटर लगाए गए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और बिल जमा प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके। इस अवसर पर राकेश कुमार, वाहिद, दीपक कुमार, सागर, जितेन्द्र, शमशाद, सुरेश कुमार और रमेश वर्मा सहित अन्य लोग

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न

वाणिज्यिक गैस सिलेंडर आपूर्ति को पारदर्शी बनाने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने तथा अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में अधिकारियों और गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन की समीक्षा के दौरान इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्राधिकरण क्षेत्रों में अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) न मिलने के कारण कई स्थानों पर पीएनजी कनेक्शन नहीं हो पा रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित प्राधिकरणों को पत्र भेजकर समस्या का शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए। साथ ही जहां एजेंसियों को कार्य में दिक्कत आ रही है, वहां पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गैस आपूर्ति प्रणाली को पारदर्शी और सुचारु बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी तहसीलों में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) को प्रभारी बनाया गया है, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि गैस की कालाबाजारी न हो और वितरण निर्धारित मानकों के अनुसार ही किया जाए।(प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि उपजिलाधिकारी एवं नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में बाट माप, खाद्य एवं रसद विभाग तथा तेल कंपनियों की संयुक्त टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। इन अभियानों के माध्यम से एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं और संस्थाओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार लगभग 70 प्रतिशत तक सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए उपभोक्ताओं को पिछले वित्तीय वर्ष में उपयोग किए गए सिलेंडरों का विवरण तथा पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन का प्रमाण संबंधित गैस कंपनी को भेजना होगा। यह सुविधा केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगी जिन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया 57वां वार्षिकोत्सव एवं हनुमान जन्मोत्सव

हापुड़ (शिखर समाचार)। सिद्धपीठ दक्षिणमुखी श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 57वें वार्षिकोत्सव एवं हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर भक्तमाल कथा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कथा के प्रवक्ता आचार्य संजीव 'कपिल' महाराज ने अपने प्रवचन में भक्त शिरोमणि हनुमान और धन्ना जट की भक्ति, सेवा और समर्पण का भावपूर्ण वर्णन किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम सेवा से ही ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ एवं संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इस दौरान मंदिर में विराजमान सभी प्रतिमाओं के लिए अनिरुद्ध गर्ग और नितिन चुग द्वारा सुंदर पोशाक अर्पित की गई, वहीं विनोद मित्तल ने हनुमान के चरणों में चांदी का मुकुट भेंट कर अपनी आस्था प्रकट की। मंदिर में सजे भव्य फूल बंगले में हनुमान के बाल स्वरूप के दिव्य दर्शन ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष सहगल ने सभी सहयोगियों, दानदाताओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललित ग्रोवर, गोविंद नरूला, हंस राज सहगल, बलदेव राज चुग, अश्वनी छाबड़ा, गिरीश खरबंदा, रोकी गाबा, मानस खरबंदा, मनोज चुग, पवन नरूला, पुष्पा खरबंदा, ऊषा सेठी, विमला सहगल और दया मेंहदीरत्ता सहित अनेक सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव की धूम, छात्राओं की शानदार प्रस्तुतियों ने मोहा मन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव उत्साह और उल्लास के वातावरण में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे पूरा परिसर तालियों की गूंज से भर उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कला विभाग की प्रमुख प्रोफेसर अलका तिवारी, डॉ अरुणिता चौहान तथा प्राचार्य डॉ पूनम शर्मा द्वारा सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

महोत्सव के अंतर्गत गायन, नृत्य और एकल प्रस्तुति सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक परिधान पर आधारित आकर्षक प्रस्तुति और रैंप वॉक विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें छात्राओं ने भारतीय संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रैंप वॉक प्रतियोगिता में निशा सैफी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि किंजल ने द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। महोत्सव के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी मनाया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ पूनम शर्मा ने महिलाओं को पुष्पगुच्छ और उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा समाज में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर डॉ करुणा शर्मा, शकरिबाला, काजल नेहरा सहित अनेक शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका शिवानी शर्मा और महक बंसल का विशेष योगदान रहा। पूरे आयोजन ने न केवल छात्राओं की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

शामली में नीट परीक्षा केंद्र स्थापित करने की मांग, सांसद इकरा हसन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। कैराना लोकसभा क्षेत्र की सांसद इकरा हसन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ज्ञापन सौंपकर जनपद शामली में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के लिए परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाने की मांग की है। उन्होंने इस विषय को क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। सांसद इकरा हसन ने अपने ज्ञापन में अवगत कराया कि वर्तमान में जनपद शामली में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का कोई भी केंद्र स्थापित नहीं है। इसके चलते यहां के विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए अन्य दूरस्थ जनपदों में जाना पड़ता है। लंबी दूरी तय करने के कारण छात्रों को आर्थिक व्यय, मानसिक दबाव और परिवहन संबंधी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। सीमित संसाधनों के कारण कई छात्र समय पर परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच पाते या उन्हें अतिरिक्त कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जनपद शामली एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर परीक्षा केंद्र का अभाव उनके लिए बड़ी बाधा बना हुआ है। यदि जनपद में ही परीक्षा केंद्र स्थापित किया जाता है, तो इससे विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी और वे बिना किसी तनाव के परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। सांसद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि विद्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगामी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षाओं के लिए जनपद शामली में एक या अधिक परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस संबंध में सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इकरा हसन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है और स्थानीय स्तर पर परीक्षा केंद्र की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। इससे न केवल विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि उनकी प्रतिभा को भी उचित मंच प्राप्त होगा और वे देश के भविष्य निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे।

जेवर के विकास को नई गति: विधायक धीरेन्द्र सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चोला स्टेशन के आधुनिकीकरण पर की विस्तृत चर्चा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जेवर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर चोला रेलवे स्टेशन के सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण तथा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उसकी प्रभावी रेल संपर्क व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान क्षेत्र के समग्र विकास और यातायात सुविधाओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में विधायक धीरेन्द्र सिंह ने चोला रेलवे स्टेशन को बहु-माध्यमीय परिवहन केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह परियोजना जेवर क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए विकास का नया द्वार खोल सकती है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के संचालन के साथ क्षेत्र में यात्रियों, व्यापारिक गतिविधियों और औद्योगिक निवेश में तेजी आएगी, ऐसे में मजबूत और सुगम रेल संपर्क अत्यंत आवश्यक हो जाएगा।

विधायक ने रेल मंत्री के समक्ष कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे, जिनमें चोला रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप में पुनर्विकास, यात्रियों के लिए सुविधाओं का विस्तार, एयरपोर्ट तक तेज और सुगम रेल संपर्क स्थापित करना, प्रस्तावित नई रेल लाइन को शीघ्र स्वीकृति देकर उसके क्रियान्वयन को गति देना, प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था करना तथा स्टेशन को माल परिवहन और औद्योगिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करना प्रमुख रूप से शामिल रहे। धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि ह्लजेवर एयरपोर्ट देश की सबसे बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं में से एक है। ऐसे में चोला रेलवे स्टेशन का सुदृढ़ और आधुनिक होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे क्षेत्र के युवाओं, किसानों और उद्यमियों को सीधे लाभ मिल सके। यह पहल विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वस्त किया कि रेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण किया जा रहा है और क्षेत्र की रेल संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक के अंत में विधायक धीरेन्द्र सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में जेवर क्षेत्र आधारभूत संरचना, निवेश और रोजगार के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभरेगा। इस अवसर पर अनूपशहर के विधायक संजय शर्मा भी उपस्थित रहे।

इंडिया स्किल्स 2025-26 का समापन, युवाओं के हुनर को मिला राष्ट्रीय मंच

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इंडिया स्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025झ्र26 का भव्य समापन समारोह गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों, उद्योग प्रतिनिधियों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस आयोजन ने युवाओं के कौशल, नवाचार और उत्कृष्ट प्रदर्शन को राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हुए उन्हें सम्मानित किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल विकास एवं उद्यमशीलता जयंत चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि कौशल भारत मिशन अब एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल ही सफलता का वास्तविक आधार है। युवाओं को निरंतर सीखने, नई तकनीकों को अपनाने और अपने हुनर को निखारने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को रोजगार के साथ साथ आत्मनिर्भर बनाना है।

विशिष्ट अतिथि कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हुनर ही व्यक्ति की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि आज का युवा यदि अपने कौशल को पहचान ले और उसे सही दिशा दे, तो वह देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि कौशल आज के समय की सबसे बड़ी ताकत है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करता है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर भी बनाता है। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवा आज अपने कौशल के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं, जो विकसित भारत 2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल एवं न्याय विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा और नवाचार क्षमता ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास बनाए रखने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार पिल्लई ने स्वागत भाषण में कहा कि यह प्रतियोगिता केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उत्कृष्टता, समर्पण और नवाचार का उत्सव है। यह मंच युवाओं को रोजगार के अवसरों के साथ साथ आत्मविश्वास और सम्मान भी प्रदान करता है।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने प्रदेश के विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें आगामी विश्व कौशल प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रयागराज के नितिन कुमार और आगरा के सूर्यांश गुप्ता ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। मुरादाबाद के सात्विक गोयल और गाजियाबाद के जुनैद ने रजत पदक जीते। वहीं फरुर्खाबाद के गंभीर सिंह, लखनऊ की लावण्या शुक्ला और कानपुर की शीतल वर्मा ने कांस्य पदक हासिल किए। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के मंत्री, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, उद्योग विशेषज्ञ, प्रशिक्षक और हजारों प्रतिभागी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर यह संदेश दिया गया कि यह प्रतियोगिता युवाओं के लिए नई संभावनाओं का द्वार है, जहां से वे वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मेले में युवक की हत्या का खुलासा, 10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के ग्राम गोहरपुर में हुए युवक हत्याकांड के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली है। इस गिरफ्तारी को मामले में अहम सफलता माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार 25 मार्च को ग्राम खानपुर तलवा माजरा निवासी सुनील कुमार का पुत्र अभि अपने भतीजे प्रियांशु उर्फ मोंटू के साथ गोहरपुर में आयोजित मेले में मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने गया था। इसी दौरान बाइक साइड लगाने को लेकर कुछ युवकों के साथ उसकी कहासुनी हो गई थी। मामूली विवाद ने बाद में गंभीर रूप ले लिया। बताया गया कि मेले से वापस लौटते समय ग्राम कुरमाली निवासी शिवा और उसके साथियों ने अभि को रास्ते में घेर लिया। आरोपियों ने अवैध तमंचे से अभि के पेट में गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल शामली ले जाया गया, जहां हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे मेरठ के एक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान अभि की मौत हो गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद थाना आदर्श मंडी पुलिस ने हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस पहले ही मुख्य आरोपी शिवा और उसके साथी गौरव उर्फ रफ्तार को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस ने वांछित चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी रजत पुत्र सतपाल निवासी कंजरहेड़ी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। पूछताछ में आरोपी रजत ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ पुरानी रंजिश के चलते अभि की हत्या की योजना बनाकर मेले में पहुंचा था। मौका मिलते ही सभी ने मिलकर अभि को घेर लिया और उसे गोली मारकर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के खुलासे के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है, जबकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

घरेलू गैस की कालाबाजारी के विरोध में उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, सख्त कार्रवाई की मांग

दादरी (शिखर समाचार)। नगर एवं क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के विरोध में गौ रक्षा हिंदू दल के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए उपजिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर के नेतृत्व में कार्यकर्ता तहसील परिसर पहुंचे और गैस की अवैध बिक्री पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र में गैस आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जनपद एवं आसपास के इलाकों में संचालित गैस एजेंसियों पर आरोप है कि वे उपभोक्ताओं को समय पर घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं। इस कमी का फायदा उठाकर कुछ लोग खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं और सिलेंडर तीन से चार हजार रुपये तक में बेचे जा रहे हैं। वेद नागर ने कहा कि एक ओर सरकार आम जनता को राहत देने के लिए गैस सिलेंडर की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर दलालों द्वारा ब्लैक में गैस बेचना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल रही, तो कालाबाजारी करने वालों के पास इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर कहां से आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अव्यवस्था के चलते गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का लगातार शोषण हो रहा है। सरकार द्वारा पर्याप्त गैस आपूर्ति के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत दिखाई दे रही है। संगठन ने मांग की कि गैस की कालाबाजारी में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। कार्यकताओं ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस समस्या पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन आंदोलन को और तेज करेगा। साथ ही उन्होंने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई, यहां तक कि उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने की मांग भी रखी। इस दौरान अशोक भाटी, लखन गुर्जर, नितिन सोलंकी, बंटी भाटी, सचिन कुमार, गौरव कुमार और मनीष शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला कोच में सफर करना पड़ा भारी, सात यात्रियों पर रेलवे की कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर स्थित दादरी रेलवे स्टेशन पर लोकल पैसेंजर ट्रेन के महिला कोच में अनाधिकृत रूप से यात्रा कर रहे सात पुरुष यात्रियों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने कार्रवाई की है। सभी आरोपियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 162 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकल पैसेंजर ट्रेनों के महिला कोच में पुरुष यात्रियों द्वारा अवैध रूप से यात्रा करने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसको गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि महिला यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इसी अभियान के तहत खुर्जा से दिल्ली की ओर जा रही 64111 लोकल पैसेंजर ट्रेन जब दादरी स्टेशन पर पहुंची, तो आरपीएफ टीम ने जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान ट्रेन के दो महिला कोचों में सात पुरुष यात्री अनधिकृत रूप से यात्रा करते हुए पाए गए। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी यात्रियों को कोच से उतार लिया और उन्हें आरपीएफ कोतवाली ले जाया गया। वहां सभी के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 162 के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में अभियुक्तों द्वारा जमानत की मांग किए जाने पर उन्हें नियमानुसार जमानत पर रिहा कर दिया गया। आरपीएफ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि महिला कोच में किसी भी पुरुष यात्री का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से ऐसे यात्रियों में हड़कंप मचा हुआ है और रेलवे प्रशासन भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रेडिंग के नाम पर 1.31 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, शातिर जालसाज गिरफ्तार

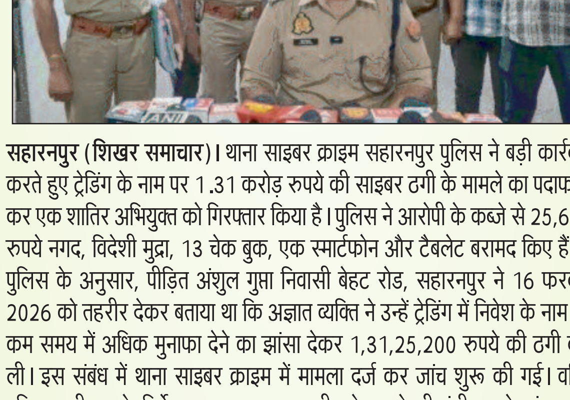

सहारनपुर (शिखर समाचार)। थाना साइबर क्राइम सहारनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रेडिंग के नाम पर 1.31 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले का पदार्फाश कर एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25,650 रुपये नगद, विदेशी मुद्रा, 13 चेक बुक, एक स्मार्टफोन और टैबलेट बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, पीड़ित अंशुल गुप्ता निवासी बेहट रोड, सहारनपुर ने 16 फरवरी 2026 को तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर कम समय में अधिक मुनाफा देने का झांसा देकर 1,31,25,200 रुपये की ठगी कर ली। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर क्राइम टीम ने मामले की गंभीरता से जांच करते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस टीम ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक होटल में दबिश देकर आरोपी भूपेन्द्र पुत्र रूप सिंह निवासी खातीपुरा, जयपुर (राजस्थान) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के कब्जे से ठगी से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद हुए हैं। मामले में साक्ष्यों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस इस मामले में अन्य संभावित साथियों और पूरे नेटवर्क की भी गहन जांच कर रही है।

संपादकीय

क्या वास्तव में अमेरिका ईरान में फंस चुका है : ट्रंप के ताजा संबोधन से उभरते संकेत

वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच अमेरिका और ईरान के संबंध एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के ताजा संबोधन ने इस बहस को और तेज कर दिया है कि क्या अमेरिका वास्तव में ईरान के जटिल जाल में उलझ चुका है, या यह केवल एक रणनीतिक दबाव की नीति का हिस्सा है। ट्रंप की भाषा, उनके संकेत और उनकी प्राथमिकताएं इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती हैं।

ट्रंप के भाषण में ईरान को लेकर एक स्पष्ट द्वंद्व दिखाई देता है। एक ओर उन्होंने ईरान की नीतियों को क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रमुख कारण बताया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका किसी बड़े सैन्य टकराव से बचना चाहता है। यह द्वंद्व केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि अमेरिकी विदेश नीति की गहरी उलझन को दशार्ता है। मध्य पूर्व में दशकों से चली आ रही अमेरिकी दखलंदाजी अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां हर कदम के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

ईरान आज केवल एक देश नहीं, बल्कि एक विचारधारा और क्षेत्रीय शक्ति का केंद्र बन चुका है। उसने इराक, सीरिया, लेबनान और यमन जैसे क्षेत्रों में अपना प्रभाव स्थापित किया है। ऐसे में अमेरिका के लिए ईरान को पूरी तरह अलग थलग करना या उसे दबाव में लाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। ट्रंप के संबोधन में यह स्वीकारोक्ति अप्रत्यक्ष रूप से झलकती है कि अमेरिका की पारंपरिक दबाव और प्रतिबंध की नीति अब सीमित प्रभाव ही दिखा पा रही है।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ट्रंप ने अपने भाषण में शक्ति के प्रदर्शन और कूटनीतिक विकल्प दोनों को समानांतर रखा। यह संकेत देता है कि अमेरिका अभी भी अपनी सैन्य ताकत को एक विकल्प के रूप में बनाए रखना चाहता है, लेकिन वह इसके उपयोग को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। पिछले अनुभव विशेषकर इराक और अफगानिस्तान ने अमेरिका को यह सिखाया है कि किसी भी युद्ध में उतरना आसान होता है, लेकिन उससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन।

ईरान के संदर्भ में यह स्थिति और भी जटिल हो जाती है। ईरान की भौगोलिक स्थिति, उसकी सैन्य क्षमताएं और उसकी रणनीतिक साझेदारियां विशेषकर रूस और चीन के साथ अमेरिका के लिए किसी भी सीधे संघर्ष को अत्यंत जोखिमपूर्ण बना देती हैं। ट्रंप के शब्दों में भले ही आक्रामकता दिखे, लेकिन उनके स्वर में एक प्रकार की सावधानी भी स्पष्ट रूप से महसूस की जा सकती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका के भीतर भी इस मुद्दे को लेकर एकमत नहीं है। ट्रंप का संबोधन जहां उनके समर्थकों को सशक्त नेतृत्व का संदेश देता है, वहीं उनके आलोचक इसे अनिश्चितता और रणनीतिक भ्रम का संकेत मानते हैं। अमेरिकी राजनीति में यह विभाजन भी विदेश नीति के निर्णयों को प्रभावित करता है, जिससे ईरान जैसे जटिल मुद्दे पर स्पष्ट और दीर्घकालिक रणनीति बनाना और कठिन हो जाता है।

ट्रंप के भाषण से एक और महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकलता है अमेरिका अब एकतरफा निर्णय लेने की स्थिति में नहीं है। वैश्विक शक्ति संतुलन बदल चुका है। चीन का बढ़ता प्रभाव, रूस की सक्रियता और क्षेत्रीय शक्तियों का उभार अमेरिका के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। ऐसे में ईरान के साथ किसी भी टकराव का मतलब केवल दो देशों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय संकट हो सकता है।

तो क्या अमेरिका वास्तव में ईरान में फंस चुका है? इसका उत्तर सीधा ह्यहांह्ण या ह्यनहींह्ण में देना कठिन है। अमेरिका एक ऐसी स्थिति में जरूर है, जहां उसके विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। वह न तो पूरी तरह पीछे हट सकता है और न ही बिना बड़े जोखिम के आगे बढ़ सकता है। यह स्थिति फंसने से कम नहीं है, लेकिन इसे एक रणनीतिक गतिरोध कहना अधिक उचित होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

अहंकारी और मूर्ख में एक समानता होती है, दोनों ही खुद को चतुर सुजान समझते हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार...
यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में ह्यगुड फ्राइडेह्ण मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्यराख का बुधवारह्ण कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग- बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दशार्ता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

शॉपिंग की लत नुकसानदेह

हममें से हर किसी की अलग-अलग आदतें होती है। कुछ को किसी चीज के कलेक्शन का शौक होता है तो किसी को बहुत सारी नई-नई चीजें खरीदने का। कभी-कभार बाजार जाकर शॉपिंग करने तक तो ठीक है लेकिन यदि आप जरूरत से ज्यादा व बेवजह शॉपिंग करते हैं तो सतर्क हो जाइए क्योंकि हो सकता है आप 'ओनियोमेनिया' (शॉपिंग करने की धुन सवार होना) नामक बीमारी से ग्रसित हो।

शॉपिंग की लत एक खतरनाक लत है, जो धीरे-धीरे बीमारी का रूप लेती जाती है। इस बीमारी से ग्रसित लोगों को शॉपिंग करने के अलावा कोई ओर काम नहीं सुझता है। जब भी उनकी जेब में रूपए होते हैं। वे शॉपिंग करके उन्हें खर्च कर देते हैं और बाद में अपने इस महँगे शौक पर पछतावा भी करते हैं।

आजकल तो महिलाओं की तरह पुरूष भी शॉपिंग के शौकीनों में शुमार होते हैं। परंतु उनको महिलाओं जितना शॉपिंग करने का चस्का नहीं होता है। यहीं कारण है कि अक्सर महिलाएँ ही इस बीमारी से ग्रसित होती है।

महिलाओं की शॉपिंग में बढ़ती रूचि को देखकर आजकल बाजार का रूख भी महिलाओं की ओर ही है। महिलाओं को रिझाने के लिए ही खासतौर पर कई कंपनियाँ अपने लेटेस्ट मोबाइल, लेपटॉप, कार आदि की नई रेंज बाजार में ला रही है। इससे कंपनियों की बिक्री तो बढ़ती ही है परंतु साथ ही कमाऊ पतिदेव की जेब भी पलभर में हल्की हो जाती है।

एक-दूसरे से बेहतर दिखने की होड़ तो महिलाओं में जन्मजात होती है। इसी कारण अपनी सहेली की नई चमकदार साड़ी, चमचमाती चूड़ियाँ या खूबसूरत सेंडल को देखकर उससे बेहतर साड़ी या ज्वैलरी खरीदकर उसे टक्कर देने के लिए भी कई महिलाएँ शॉपिंग करती है।

बिगड़ जाता है बजट :

व्यक्ति की आमदनी तो सीमित होती है परंतु खर्चे असीमित। ऐसे में बजट बनाकर हर काम करना पड़ता है ताकि खर्च बजट के अनुसार हो और बचत हो सके। बार-बार और बेवजह शॉपिंग करने से एक ओर आपका फायनेंशियल बजट तो गड़बड़ाता ही है साथ ही घर में हर छोटी-बड़ी बात पर पति-पत्नी के बीच विवाद भी होने लगते हैं।

शॉपिंग की इस लत के चलते आपके कदम बार-बार बाजार का रूख करते है और आपके घर में बेकार के सामानों की भरमार हो जाती है। क्योंकि अपने शौक की वजह से आप बेवजह ही ऐसी कई चीजें खरीद लाते हैं, जिनकी आपको कोई आवश्यकता ही नहीं होती है। बाद में वो चीजे पड़े-पड़े ही खराब होने लगती है।

कहाँ से उपजता है ये शौक :

महिलाएँ अक्सर घर-गृहस्थी का छोटा-मोटा सामान खरीदने बाजार जाती रहती है इसलिए शॉपिंग करना उनकी पुरानी आदत व टाइम-पास का एक अच्छा साधन भी होता है। अक्सर महिलाएँ घर पर अकेली होती है इसलिए शॉपिंग करके जहाँ एक ओर वो नए-नए प्रोडक्ट्स से रूबरू होती है, वहीं अपना मन बहलाने के लिए बाजार का चक्कर भी लगा आती है। कुछ महिलाएँ अपने तनाव को कम करने के लिए भी शॉपिंग करती है।

एक-दूसरे से बेहतर दिखने की होड़ तो महिलाओं में जन्मजात होती है। इसी कारण अपनी सहेली की नई चमकदार साड़ी, चमचमाती चूड़ियाँ या खूबसूरत सेंडल को देखकर उससे बेहतर साड़ी या ज्वैलरी खरीदकर उसे टक्कर देने के लिए भी कई महिलाएँ शॉपिंग करती है।

क्या है इस बीमारी के लक्षण :

हम अक्सर कहते हैं कि 'कुछ लोगों के हाथ में पैसा नहीं टिकता है।' यही इस बिमारी का प्रमुख लक्षण भी है। इस बीमारी से ग्रसित लोग हाथ में रूपया आते ही उसे फिजूल की चीजों में खर्च कर आते हैं। यदि उनके पास पर्याप्त कपड़े हैं फिर भी वे नए कपड़े इसलिए लेकर आते हैं कि मुझे इनकी जरूरत है परंतु बाद में वो कपड़े केवल उनकी अलमारी की शोभा मात्र ही बढाते हैं। इस प्रकार इस बीमारी से ग्रसित लोग अनुपयोगी चीजों को खरीदने व रखने के शौकीन होते हैं।

जब शॉपिंग करने के बाद ये अपनी जेब पर हाथ डालते हैं और उन्हें कुछ भी समझ नहीं आता है कि यह क्या हो रहा है। अपनी गलती पर उन्हें पछतावा भी होता है परंतु पश्चाताप करने के बाद भी वो अपनी आदत से बाज नहीं आते हैं और फिर से शॉपिंग करने लगते हैं।

क्या है उपचार :

यदि आपके परिवार का कोई भी सदस्य इस बीमारी से ग्रसित है तो आपको उसे समझाइश देनी होगी तथा उसके अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगानी पड़ेगी। आप चाहे तो इस कार्य में किसी काउंसलर या डॉक्टर की मदद भी ले सकते हैं। यदि आप तनाव को कम करने के लिए शॉपिंग करते हैं तो आपको चाहिए कि आप इसके विकल्प के तौर पर दूसरे तरीको को अपनाएँ, जैसे : दोस्तों से बातचीत करना, उनके घर जाना, अपना ध्यान बच्चों में लगाना आदि।

शायद आपको और हमें अब तक नहीं पता था कि शॉपिंग करने की शौकीन व मोल-भाव की पक्की महिलाएँ ओनियोमेनिया से ग्रसित हो सकती है।

कैसे पाएँ इस लत पर काबू :

- अपने तनाव को कम करने के लिए दोस्तों व रिश्तेदारों से मिले।
- कभी दूसरों से अपनी तुलना न करे।
- काउंसलर या डॉक्टर की सलाह लेने में संकोच न करे।
- बचत करने की आदत डाले।
- हमेशा प्रसन्न रहे व स्वयं को दूसरे कामों में व्यस्त रखे।

गोभी का मिक्स सूप

सामग्री : 1/4 बंध गोभी, 1/2 फूल गोभी, 2 हरे प्याज, 2 आलू, 1 प्याला दूध, 8-10 काजू, नमक, काली मिर्च स्वादानुसार, 1/2 प्याला क्रीम, दो बूँद बादाम एसेंस।

विधि : सब्जियों को उबालकर छान लें। नमक, कालीमिर्च व बादाम एसेंस मिलाएँ। दूध मिलाकर उबाल आने दें। यदि सूप गाढ़ा लगे तो थोड़ा पानी डालें। क्रीम डालकर सर्व करें। ऊपर से धनिया पत्ती व भुने काजू कूट कर डालें।

क्या आप सेलफोन मैनर्ड हैं

मोबाइल पर तरह-तरह की रिंगटोन बजाना या जोर-जोर से बात करना वैल मैनर्ड सेलफोन यूजर की श्रेणी में नहीं माना जाता। इसलिए मोबाइल का इस्तेमाल करते समय इन्हें अपनाएं।

साइलेंट मोड

सेलफोन को वाइब्रेट या साइलेंट मोड पर रखें। यदि फोन रिंगर में रखना जरूरी हो, तो रिंगटोन इतनी कम होनी चाहिए जिससे दूसरों को परेशानी न हो।

कॉल अलर्ट

यदि कंपनी आपके मोबाइल बिल का भुगतान कर रही है, तो फोन का दुरूपयोग करने से बचें। अपने रिश्तेदारों और मित्रों को अनावश्यक कॉल्स न करें।

धीरे बोलें

फोन पर बातें करते समय स्वयं की आवाज को घीमा रखें। याद रखें ऑफिस में कोई भी आपकी निजी जिंदगी के बारे में जानने की दिलचस्पी नहीं रखता है।

एकांत में बात करें

यदि आप कोई पर्सनल कॉल अटेंड कर रहे हैं, तो यह सुनिश्चित कर लें कि आप प्राइवेट कॉर्नर में जाकर बात करें, जहां आपकी प्राइवेसी हो। इससे आप अपने सहयोगियों को अपनी वार्तलाप के बोझ से मुक्त कर सकेंगे।

स्विच ऑफ

मीटिंग के वक्त मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखें या स्विच ऑफ कर दें। खास तौर पर जब आप कोई प्रेजेंटेशन दे रहे हों। ऐसे समय में फोन आने से प्रेजेंटेशन डिस्टर्ब हो सकती है।

फोन न ले जाएं

जब कभी भी आप अपने सहयोगियों या सीनियर से बातचीत कर रहे हों, तो फोन को अपने साथ न लेकर जाएं। यदि आप कोई एसएमएस प्राप्त करते हैं, तो अपनी बातचीत समाप्त होने के बाद ही उसे चैक करें।

किचन टिप्स

- चाय में काली मिर्च मिलाकर पीने से गले की खराश दूर हो सकती है।
- गूंथे हुए आटे को साफ दूध के पैकेट में डाल कर फ्रिज में रखने से आटा लंबे समय तक ताजा रहता है।
- पैकेट से पूरी तरह से घी निकले, इसके लिए पैकेट को फ्रिज में रख दीजिए। दोनों ओर काटकर घी को डिब्बे में निकाल लीजिए।
- दही गाढ़ी जमे, इसके लिए दही जमाते समय दूध में थोड़ा सा मक्के का पेस्ट मिला दीजिए।
- लंबी यात्रा पर जाते समय मक्खन न पिघले, इसके लिए पैकेट को कुछ आइस क्यूब के साथ फ्लास्क में रख दीजिए।
- फ्रिज में भोजन की गंध न फैले, इससे बचने के लिए ऊपरी शेल्फ पर बेकिंग सोडा का खुला पैकेट रख दीजिए।
- गले टमाटरों को ठीक करने के लिए नमक मिले ठंडे पानी में रखें।
- बिरयानी पकाते समय बर्तन की पेंदी में करी पत्ता रखने से बर्तन जलता नहीं है।
- उबले आलू के छिलके निकालने के लिए उसे बर्फ वाले पानी में रख दीजिए। छिलके तुरंत उतर जाएंगे।
- ऊनी कपड़ों से तेल का दाग हटाने के लिए प्रभावित जगह पर दही लगाकर कुछ समय बाद धो दीजिए।

घर की स्वच्छता और सजावट

सफाई के साथ स्वच्छता द्वारा ही घर के वातावरण में मधुरता घोली जा सकती है। कहा जाता है कि साफ-सुथरे और सजे-संवरे मकानों के लिए आर्थिक स्थिति भी उसी स्तर की होनी चाहिए परन्तु गहराई से विचार करने पर यह बात बड़ी सुगमता से समझी जा सकती है कि सस्ते और कच्चे मकानों में बिना कुछ खर्च किए सफाई रखी जा सकती है तथा दैनिक उपयोगी वस्तुओं को यथास्थान ढंग से रखकर घर के सुरूचिपूण रखा जा सकता है।

बचे हुए समय का उपयोग थोड़ी सूझ-बूझ से किया जाए तो उपलब्ध साधनों से ही घर को स्वच्छ, सुन्दर और सुसज्जित बनाया जा सकता है।

घर में दो स्थानों पर ज्यादा गंदगी होती है-रसोई और स्नानागार में। इन स्थानों पर इसलिए भी अधिक गंदगी होती है कि वहां पर उपयोग के साथ-साथ बिखराव भी होता है। रसोई में काम करने और भोजन करने के बाद तुरन्त सफाई कर लेनी चाहिए तथा उपयोग में आने वाली वस्तुओं, बर्तनों को भी तुरन्त साफ कर यथास्थान रख देना चाहिए।

घर में ऐसी बहुत-सी चीजें रहती हैं जिनकी रोज-रोज सफाई करने की बारी नहीं आती। दीवारें, छत आदि में थोड़े दिनों के बाद जाले पड़ते हैं और धूल जम जाती है। सप्ताह में एक दिन पूरे घर की अच्छी तरह सफाई की जी सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3847

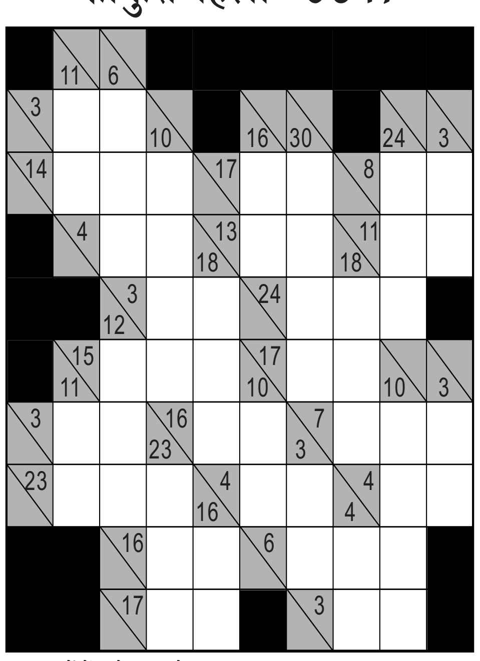

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

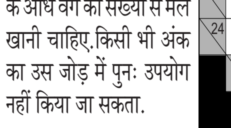

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3846 का हल

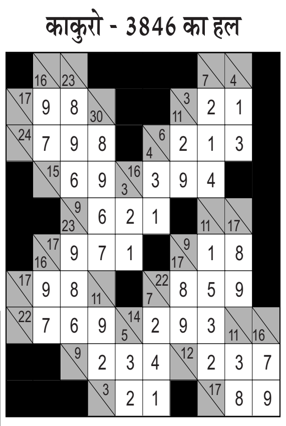

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 3847

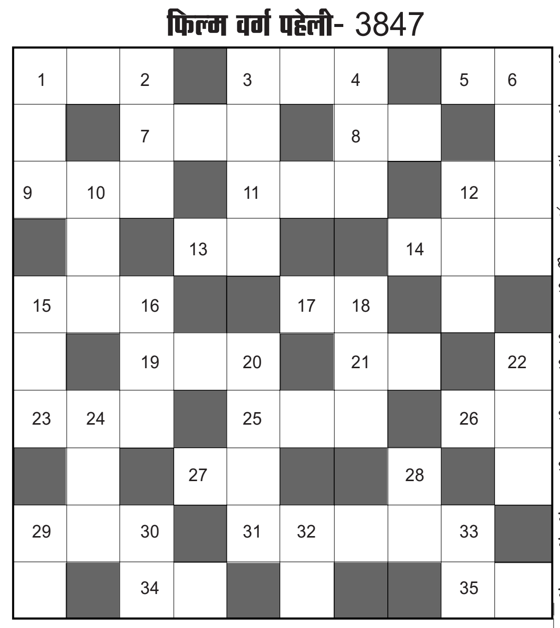

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3846

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	र्ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	श	हा		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		श	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
श			ज	मी	न		ला	ड	ला

सूडोकु -3847

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3846 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3847

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3846 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	र्जा		श		श	त्रु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

–स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली,।

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है।आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर

विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली,।

सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

–आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

नई दिल्ली,।

भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है,

जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली,।

सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

नई दिल्ली ।

वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है। कई इलाकों में सिलिंडरों की कालाबाजारी से ऊंची कीमतों पर खरीद के मामले भी सामने आए हैं। रेस्तरां उद्योग सेवा क्षेत्र में खुदरा और बीमा के बाद तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है जिसका 2026 में अनुमानित कारोबार 6.46 लाख करोड़ रुपये है

और यह 80 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। एनआरएआई का अनुमान है कि अगर संकट अनसुलझा रहता है, तो इस क्षेत्र में मौजूदा व्यवधान के कारण 5-7 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

–पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

नई दिल्ली,।

क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है

और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

-मार्च महीने में बैंक ने 1140 अरब युआन निकाले, यह ड्रैगन की रणनीति

नई दिल्ली,।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को ÷पैसों से भरने÷ के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके। दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी रकम निकालने के बावजूद ब्याज दरों में कोई हलचल नहीं दिखी। बाजार में ओवरनाइट कर्ज की दर करीब 1.3फीसदी के आसपास ही बनी हुई है। इसका मतलब साफ है कि भले ही पैसा निकाला गया हो, लेकिन आर्थिक माहौल अभी भी स्थिर और संतुलित बना हुआ है।हालांकि अभी बैंक सतर्क नजर आ रहा है, लेकिन कई विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में हालात बदल सकते हैं। अगर महंगाई का असर ज्यादा नहीं बढ़ा या आर्थिक दबाव फिर से बढ़ा तो बैंक ब्याज दरें घटा सकता है या बैंकों के लिए नकद रिजर्व नियमों में ढील दे सकता है यानी अभी खेल खत्म नहीं हुआ। चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है। न तो वह अर्थव्यवस्था को झटका देना चाहता है और न ही बेवजह ज्यादा पैसा डालना चाहता है। यह एक तरह का संकेत है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और सही समय आने पर ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आने वाले महीनों में चीन की अगली चाल क्या होगी।

2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

- जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

जलगांव।

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं।

लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था,

उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है।

उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

–कंपनी प्रबंधक बोले– हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

नई दिल्ली,।

गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरिट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल

कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं।

इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है।

पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको । इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने (एजेंसी)। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस् ष्ठष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया। इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं। डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

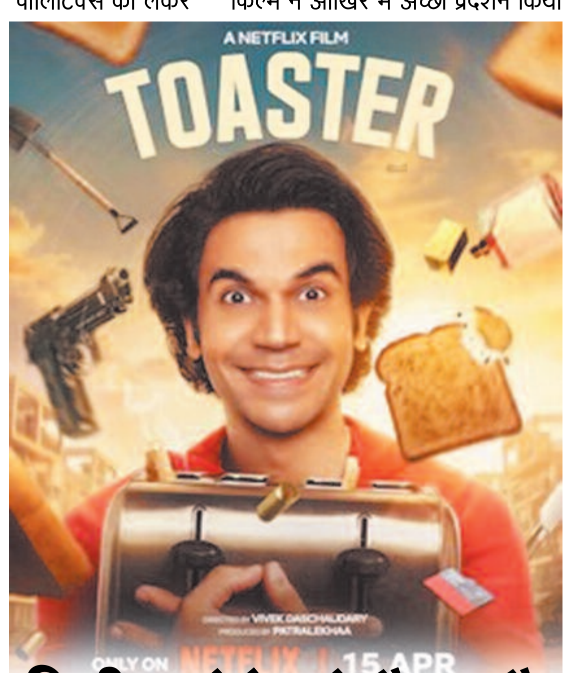

रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

'धुरंधर'- 'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

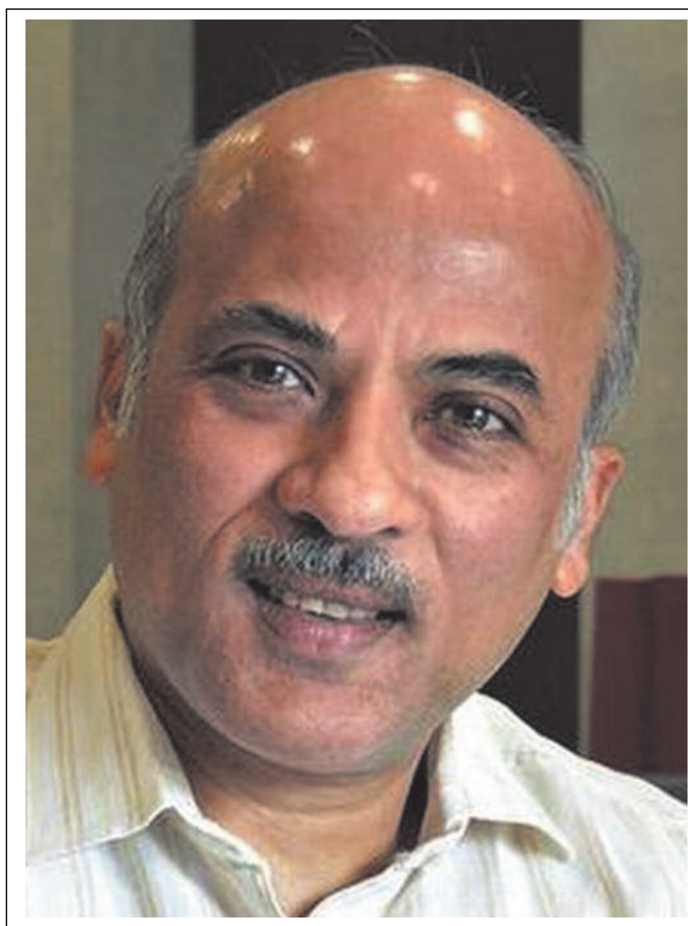

एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।

आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

युद्ध के बीच भारत बना संकटमोचक, बगावत भुलाकर पड़ोसियों को दी एनर्जी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल युद्ध ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से, जहां से वैश्विक तेल और गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, दक्षिण एशियाई देशों में हाहाकार मचा है। इस महासंकट के बीच भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी प्रथम) नीति का परिचय देते हुए उन देशों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया है, जिन्होंने हाल के वर्षों में भारत विरोधी रुख अपनाया था। मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों ने, जो कभी इंडिया आउट और बॉयकॉट इंडिया जैसे अभियानों में मशगूल थे, आज गहरे ईंधन संकट के समय नई दिल्ली को ही अपना सबसे भरोसेमंद साथी पाया है।

मालदीव की बात करें तो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के नारे पर सत्ता हासिल की थी और भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकाल दिया था। हालांकि, युद्ध के कारण तेल की किल्लत और चीन से तत्काल राहत न मिलने पर उन्हें भारत का ही रुख करना पड़ा। भारत ने कूटनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए मालदीव के पर्यटन उद्योग को बचाने के लिए आपातकालीन कोटे के तहत पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की विशेष खेप भेजी है। मुइज्जू ने अब भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद साझेदार स्वीकार किया है। इसी तरह, बांग्लादेश में अगस्त 2024 के सत्ता परिवर्तन के बाद उभरी भारत विरोधी भावनाओं और बॉयकॉट इंडिया अभियान के बावजूद, भारत ने मानवता को प्राथमिकता दी है। ईरान युद्ध के कारण बांग्लादेश का पावर ग्रिड और कपड़ा उद्योग ठप होने की कगार पर है। ऐसे में भारत ने मैत्री पाइपलाइन के जरिए हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति बढ़ा दी है। मार्च 2026 में भारत ने 15,000 टन डीजल भेजा और अगले महीने 40,000 टन अतिरिक्त आपूर्ति की योजना है। बिजली आपूर्ति को भी बिना किसी बाधा के जारी रखा गया है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह न ढह जाए।

श्रीलंका में भी स्थिति गंभीर है, जहां राष्ट्रपति दिसानायके के अनुरोध पर भारत ने 28 मार्च 2026 को 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप कोलंबो भेजी। श्रीलंका ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों को संतुलित करते हुए पड़ोसियों को एनर्जी सिक्योरिटी प्रदान कर रहा है। ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक अस्थिरता के समय जहां अन्य देश व्यावसायिक हित देखते हैं, वहीं भारत वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर चलते हुए एक निस्वार्थ रक्षक की भूमिका निभा रहा है।

पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

-एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका का जवाब किया दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जवाब को रिकॉर्ड पर लिया और पुनर्विचार याचिका पर बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। यह पुनर्विचार याचिका वकील रविंदर गुप्ता ने वकील गगन गांधी के जरिए दायर की थी। शिकायतकर्ता और आरएसएस सदस्य रविंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया था। 11 नवंबर 2025 को तीस हजारी कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया और शिकायत को खारिज कर दिया था। इससे पहले, दिसंबर 2024 में कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

भारत की अनूठी पहल: समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)